www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591

MUMBAI TARANG

मुश्किलों से कह दो उलझा
ना करे हमसे
हमें हर हाल में जीने का हुनर
आता है

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-03 ❖ मुंबई ❖ रविवार 10 से 16 जनवरी 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
चोरी के शक में सिर मुंडवाया और Nude March करवाया, पांच आरोपी गिरफ्तार

पेज 5
ड्रैगन ने फिर चली चाल, भारत की सीमा में घुसा एक चीनी सैनिक, हिरासत में लिया गया

पेज 7
अमिताभ बच्चन ने 'कुली' के सेट पर हुए हादसे को किया याद, बोले- मैंने पहली बार पिता की आंखों में देखे थे आंसू

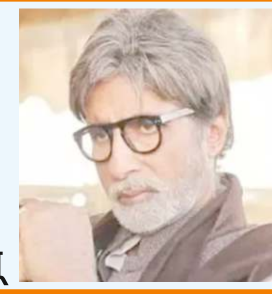

पेज 8
जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र के सम्मान समारोह

भंडारा के अस्पताल में हादसे के बाद ऐक्शन में उद्धव सरकार, हर अस्पताल का होगा फायर ऑडिट, 5 लाख मुआवजा

मुंबई/भंडारा, महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शनिवार आधी रात हुए दर्दनाक हादसे में 10 नवजात बच्चों की मौत हो गई। इस घटना ने हर किसी को हिलाकर रख दिया है। चाइल्ड केयर में आगजनी की वजह से मरने वाले बच्चे एक से 3 महीने के थे। हादसे को लेकर सरकार ऐक्शन में आ गई है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने हादसे पर दुख जाहिर करते हुए जांच के आदेश दिए हैं। वहीं डेप्युटी सीएम अजित पवार ने सभी हॉस्पिटलों के फायर ऑडिट का आदेश जारी कर दिया है। CM उद्धव ने दिए जांच के आदेश महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भंडारा जिला अस्पताल में आग लगने की घटना में नवजात बच्चों की मौत पर दु:ख व्यक्त करते हुए मामले की जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में बताया गया है कि घटना की जानकारी मिलने के तुरंत बाद ठाकरे ने स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे से बातचीत की। बयान में कहा गया, 'मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से बातचीत करके उन्हें जांच करने के लिए कहा है।'

महाराष्ट्र के डेप्युटी सीएम और वित्त मंत्री अजित पवार ने घटना के बाद सभी हॉस्पिटलों का ऑडिट कराए जाने का आदेश जारी कर दिया है। भंडारा जिले में हुए इस हादसे में 10 नवजात बच्चों की जान चली गई। कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता नवाब मलिक ने भी कहा कि प्रदेश के सभी अस्पतालों का फायर ऑडिट कराया जाएगा। फायर ऑडिट में अनियमितताएं मिलने पर उस अस्पताल की परमिशन रद्द कर दी जाएगी।

फडणवीस ने की कार्रवाई की मांग महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने भंडारा जिला अस्पताल में आग लगने से दस नवजात शिशुओं की मौत की घटना को 'बेहद दर्दनाक' करार देते हुए शनिवार को इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष फडणवीस ने एक वक्तव्य में कहा, 'सरकार को इस मामले में अच्छी तरह से जांच करानी चाहिए और 10 शिशुओं की मौत के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिये। यह बेहद दर्दनाक घटना है।' बच्चों के परिजन को 5 लाख मुआवजा महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख ने कहा, 'भंडारा स्थित जिला सामान्य अस्पताल की नवजात देखभाल यूनिट में आग लगने से 10 नवजातों की मौत की खबर चौंकाने वाली और दुर्भाग्यपूर्ण है।

सेफ ड्राइव के लिए ट्रैफिक पुलिस की स्पेशल ड्राइव

दो और चार पहिया वाहन चालकों पर गिरी ट्रैफिक पुलिस की गाज

मुंबई, ट्रैफिक व्यवस्था को और सुव्यवस्थित बनाने के लिए मुंबई ट्रैफिक पुलिस करीब आधा दर्जन अभियान चला रही है। इनके माध्यम से ट्रैफिक पुलिस वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों का पालन करवाने के लिए प्रेरित कर रही है। लेकिन, वाहन चालक हैं कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसे ही वाहन चालकों के खिलाफ मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने 16 दिसंबर से 31 दिसंबर तक विशेष ट्रैफिक अभियान चलाया। इस अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से ट्रैफिक एक्सपर्ट पुलिसकर्मियों ने दोपहिया, चार पहिया और मालवाहक वाहनों के अलावा नो पार्किंग और अवैध रूप से वाहन चलाने के तहत कार्रवाई की।

टोइंग और क्लम्प कार्रवाई सख्त
मुंबई ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, विशेष अभियान में पुलिस ने चेंबूर और जोगेश्वरी में सबसे अधिक चार पहिया वाहनों को टो किया, जबकि मालाड और माटुंगा में सर्वाधिक दो पहिया वाहनों को उठाया। घाटकोपर एवं सहार में सर्वाधिक क्लम्प किया। घाटकोपर में 1305, जबकि सहार में 1151 क्लम्प कार्रवाई पुलिस अधिकारी नरेंद्र तालेगांवकर और संजय नार्वेकर के मार्गदर्शन में की गई। वाकोला ट्रैफिक पुलिस ने 541 और बीकेसी ने 477 चार पहिया वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। इसे पुलिस अधिकारी अरविंद चंदनशिवे और सुनील यादव ने अंजाम दिया। डीएन नगर ट्रैफिक पुलिस ने 622, जबकि बांद्रा ट्रैफिक पुलिस ने 462 दो पहिया वाहन चालकों के खिलाफ मामले दर्ज किए। ई-चालान काटकर अभियान में योगदान ट्रैफिक पुलिस के मल्टीमीडिया विंग ने भी सोशल मीडिया के जरिए ऑनलाइन ट्रैफिक कार्रवाई को अंजाम दिया। महिला ट्रैफिक पुलिस अधिकारी अश्विनी धोत्रे ने 3,212 और रुपाली कदम ने 3,091, जबकि मछिंद्र नाथ अभिरे ने 3,010 ई-चालान काटकर अभियान में योगदान दिया।

बीएमसी की नोटिस के खिलाफ सोनू सूद उच्च न्यायालय पहुंचे, कहा- कोई अवैध निर्माण नहीं कराया

सोनू सूद ने उपनगर जुहू स्थित रिहायशी इमारत में कथित तौर पर बिना इजाजत अवैध रूप से ढांचागत बदलाव करने पर बृहम्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा जारी नोटिस के खिलाफ बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है।

मुंबई, बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने उपनगर जुहू स्थित रिहायशी इमारत में कथित तौर पर बिना इजाजत अवैध रूप से ढांचागत बदलाव करने पर बृह्ममुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा जारी नोटिस के खिलाफ बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है। सूद ने अधिवक्ता डी. पी. सिंह के जरिये पिछले हफ्ते अदालत में दायर अपनी याचिका में कहा है कि उन्होंने छह मंजिला शक्तिसागर इमारत में कोई 'अवैध या अनधिकृत निर्माण' नहीं कराया है।

बंबई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पृथ्वीराज चव्हाण की एक सदस्यीय पीठ सोमवार को उनकी याचिका पर सुनवाई करेगी। सिंह ने कहा, 'याचिकाकर्ता (सूद) ने इमारत में ऐसा कोई बदलाव नहीं कराया है जिसके लिए बीएमसी की अनुमति जरूरी हो। केवल वे बदलाव ही किए गए हैं जिसकी महाराष्ट्र क्षेत्रीय एवं नगर योजना (एमआरटीपी) अधिनियम के तहत अनुमति है।' याचिका में पिछले साल अक्टूबर में बीएमसी द्वारा जारी नोटिस को रद्द करने और इस मामले में अभिनेता के खिलाफ किसी दंडनात्मक कार्रवाई से अंतरिम राहत देने का भी अनुरोध किया गया है।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल बीएमसी से नोटिस मिलने के बाद सूद ने दीवानी अदालत का रुख किया था लेकिन वहां से भी राहत नहीं मिलने पर उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख किया है। बीएमसी ने पिछले हफ्ते जुहू पुलिस थाने में शिकायत देकर कथित तौर पर बिना अनुमति आवासीय इमारत को होटल में तब्दील करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी। बीएमसी ने पुलिस को शिकायती पत्र तब दिया, जब उसने इमारत के निरीक्षण करने पर कथित तौर पर यह पाया कि सूद द्वारा निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है और पिछले साल अक्टूबर में नोटिस दिए जाने के बावजूद वह अवैध निर्माण कार्य जारी रखे हुए हैं। हालांकि, पुलिस ने अबतक प्राथमिकी दर्ज नहीं की है। उल्लेखनीय है कि सूद 'दबंग', 'जोधा-अकबर' और 'सिम्बा' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। पिछले साल वह तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने कोविड-19 के चलते लागू लॉकडाउन के दौरान प्रवासियों को उनके घर तक पहुंचाने में मदद की थी।

दिल्ली के मुकाबले मुंबई में बढ़ा वायु प्रदूषण, मौसम विभाग ने दिया बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में पिछले एक हफ्ते के दौरान रुक-रुककर हुई बारिश के चलते जहां राजधानी में लोगों को वायु प्रदूषण से राहत मिली है, वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हवा की क्वालिटी लगातार बिगड़ती जा रही है। शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन मुंबई में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 300 से ऊपर दर्ज किया गया। सरकारी एजेंसी 'सफर' के मुताबिक हवा का सबसे ज्यादा खराब स्तर 352 एक्यूआई के साथ दक्षिण मुंबई के कोलाबा में दर्ज किया गया है, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि पिछले कई दिनों से हुई बारिश के बाद शुक्रवार को दिल्ली में एक्यूआई यानी हवा का स्तर 221 दर्ज किया गया। जबकि इस दौरान मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्पलैक्स में एक्यूआई 346, मलाड में 338 और अंधेरी में 333 रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक हवा का यह स्तर खराब कैटेगरी में माना जाता है। हालांकि मुंबई में शुक्रवार सुबह हल्की बारिश हुई, जिसके बाद पूरे दिन धीमी गति की हवा चलती रही।

हो सकती है मुंबई में बारिश मौसम विभाग के एक सीनियर अधिकारी ने बताया, 'पश्चिमी विक्षोभ और पूर्व की ओर चलने वाली हवाओं के कारण मुंबई में हल्की बारिश देखने को मिली है। मौसम के ये दोनों सिस्टम बहुत ही मजबूत और गहरे हैं। इस समय तटीय कर्नाटक और गोवा से लेकर कोंकण के इलाके तक आसमान में बादलों की एक मोटी परत बनी हुई है। लेकिन, हाल ही में जो सैटेलाइट तस्वीरें मिली हैं, उनमें बादलों की ये परत मध्य महाराष्ट्र तक फैली हुई है। इसके चलते शनिवार या रविवार को मुंबई में तेज हवाओं के साथ बारिश देखने को मिल सकती है।

मुंबई में आरपीएफ जवानों की बदौलत ट्रेन की चपेट में आने से बाल-बाल बची महिला

नई दिल्ली। भारत में लगभग हर रोज रेल हादसे होते रहते हैं। इनमें से ज्यादातर हादसे यात्रियों की जल्दबाजी और लापरवाही के कारण होते हैं। हालांकि रेलवे प्रशासन और रेलवे सुरक्षा बल के सकारात्मक प्रयासों के कारण इन हादसों में कमी आई है। शनिवार को रेलवे सुरक्षा बल की मुस्तैदी और चौकन्ना रहने के कारण महाराष्ट्र के मुंबई शहर के थाने रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा हादसा टल गया। आरपीएक के जवानों ने एक महिला को ट्रेन की चपेट में आने से बचा लिया। यह घटना शनिवार 9 जनवरी की है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देखकर हर कोई आरपीएफ जवानों को सलाम कर रहा है। यह वीडियो मुंबई के थाणे रेलवे प्लैटफॉर्म का है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि प्लैटफॉर्म पर लोग ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं और उनके सामने से एक ट्रेन गुजर रही है। तभी अचानक एक महिला उस चलती ट्रेन के बिल्कुल नजदीक से गुजरती है। महिला ट्रेन की चपेट में आने ही वाली होती है कि प्लैटफॉर्म पर तैनात रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के दो जवान और एक नागरिक महिला का हाथ पकड़कर उसे ट्रेन के नीचे आने से बचा लेते हैं और अंतत: जवानों की समझदारी और चौकन्नेपन के कारण एक महिला की जान बच जाती है।

इस वीडियो को देखने के बाद लोग उन जवानों को सलाम कर रहे हैं। ट्विटर पर इस वीडियो को अभी तक 857 लाइक्स मिल चुके है और इसे 129 बार रीट्वीट किया जा चुका है।

1.40 लाख लोगों को मिलेगी वैक्सीन... और लोगों की खोज जारी पहले चरण में जरुरतमंदों को मिलेगा वैक्सीन

मुंबई, कोरोना को मात देने को लेकर मनपा ने वैक्सिनेशन प्रक्रिया के लिए तैयारी लगभग पूरी करने के बाद अब पहले चरण में वैक्सिनेशन के लिए अति जरूरतमंद लोगों की सूची बना रही है। अब तक एक लाख से अधिक ऐसे लोगों की सूची बनाई गई है। मनपा अधिकारियों का दावा है कि पहले चरण में ४ लाख से अधिक लोगों को वैक्सीन दिया जाएगा।

मनपा के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकाणी ने बताया कि मनपा पहले चरण में वैक्सिनेशन के लिए जरूरतमंदों की सूची बना रही है। अब तक एक लाख ४० हजार लोगों के नाम जुटाए गए हैं। इन सभी के नाम मनपा के ऐप में शामिल किए जाएंगे। पहले चरण में कोरोना योद्धाओं और बुजुर्गों को वैक्सीन दिया जाएगा।

कुल ७५ केंद्र बनेंगे उन्होंने कहा कि जैसे ही मनपा को वैक्सीन की खेप मिलेगी मात्र २४ घंटे में हम लोगों को वैक्सीन देने की तैयारी में हैं। मुंबई में कुल ७५ वैक्सिनेशन केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें से बड़े ९ केंद्र पूरी तरह से तैयार हैं। मनपा ने ५० हजार से अधिक लोगों को एक दिन में वैक्सीन देने का लक्ष्य रखा है। मनपा के हौसले बुलंद वैक्सिनेशन की तैयारी को लेकर मनपा सतर्क है।

बिहार के औरंगाबाद का नाम बदलने को लेकर भाजपा को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए!... संजय राऊत का रोखठोक प्रतिपादन

नासिक, बिहार के औरंगाबाद का नाम बदलने की मांग पिछले कुछ महीनों से चल रही है। हालांकि वहां के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस नामांतरण को स्पष्ट रूप से नकार दिया है, इस पर भाजपा अपनी भूमिका स्पष्ट करे, ऐसी चुनौती शिवसेना नेता, सांसद संजय राऊत ने भाजपा को दी है।

नासिक के एक्सप्रेस-इन होटल में शुक्रवार को भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष, पूर्व विधायक वसंत गीते और सुनील बागुल शिवसेना में शामिल हो गए। उसके बाद सांसद संजय राऊत ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर करने पर भाजपा सवाल उठा रही है। संभाजीनगर संभाजीनगर ही रहेगा, यह नाम हिंदूहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख श्री बालासाहेब ठाकरे ने दिया था, भाजपा को यह नहीं भूलना चाहिए। बिहार राज्य में औरंगाबाद नामक एक बड़ा जिला है। उसका भी नाम हिंदू धर्म के अनुसार बदलने की मांग कुछ महीनों से चल रही है। इस नामांतरण की मांग को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। इस बारे में बिहार और महाराष्ट्र के भाजपा नेता अपनी भूमिका स्पष्ट करें, ऐसा आह्वान सांसद संजय राऊत ने किया।

हवाई अड्डे को छत्रपति संभाजीराजे का नाम क्यों नहीं?
संभाजीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम 'धर्मवीर छत्रपति संभाजी राजे' किया जाए, यह प्रस्ताव मंत्रिमंडल में सर्वसम्मति से मंजूर हुआ है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजकर एक साल बीत चुका है। भारतीय जनता पार्टी के लोग संभाजीनगर शहर पर जोर डाल रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि अभी भी वहां के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को छत्रपति संभाजीराजे का नाम क्यों नहीं दिया जा रहा, ऐसा भी सांसद संजय राऊत ने कहा।

राज्यपाल को बताएं, इस संविधान की हत्या न करें!
वैâबिनेट के पैâसले और सिफारिशें इस मामले में राज्यपाल पर बाध्यकारी हैं। फिर भी, आप आठ महीने बाद भी विधान परिषद की बारह सीटें वैâसे खाली रख सकते हैं? संवैधानिक पद पर बैठकर आप संविधान के हत्यारे के रूप में कार्य कर रहे हैं क्या? ऐसा सीधा सवाल सांसद संजय राऊत ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से पूछा। जब तक सरकार गिरा नहीं दी जाती अथवा अपनी पसंद की सरकार नहीं बन जाती, तब तक राज्यपाल नियुक्ति की सिफारिशों पर हस्ताक्षर न करें, ऐसा निर्देश या आदेश राज्यपाल को किसी ने दिया है क्या, यह राज्यपाल को स्पष्ट करना चाहिए, ऐसा भी उन्होंने कहा। १२ सदस्यों की नियुक्तियां प्रलंबित रहना, यह विधिमंडल और महाराष्ट्र की ११ करोड़ जनता का अपमान है, ऐसा भाजपा को लग रहा होगा, उनका महाराष्ट्र से कुछ लेना-देना होगा, संविधान से भाजपा का संबंध होगा तो राजनीतिक मतभेद, राजनीतिक लड़ाई हम लड़ेंगे लेकिन तुम संविधान का खून मत करो, भाजपा द्वारा राज्यपाल को ऐसा कहा जाना चाहिए, ऐसा भी सांसद संजय राऊत ने कहा।

क्लासरूम वाली पढ़ाई

करीब दस महीनों से बंद पड़े स्कूल अब खुलने लगे हैं। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान से लेकर कर्नाटक और केरल तक कई राज्यों की सरकारें कुछ नियमों और शर्तों के साथ स्कूल खोलने की इजाजत दे रही हैं।

इतनी लंबी अवधि तक स्कूलों का बंद रहना सबके लिए नुकसानदेह साबित हुआ है। कहने को इस दौरान ऑनलाइन क्लासेज चलती रही हैं, लेकिन आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक स्तर पर अलग-अलग स्थिति वाले बच्चों के व्यक्तित्व विकास को ध्यान में रखें तो स्कूल जाकर क्लासरूम में पढ़ाई करने की कोई तुलना ऑनलाइन पढ़ाई से नहीं हो सकती। इसके अलावा यह भी मानना पड़ेगा कि ऑनलाइन कक्षाओं का चलन बच्चों में और भी दुखद श्रेणी विभाजन का कारण बना है।

महानगरों में रहनेवाले साधनसंपन्न परिवारों के बच्चों का एक छोटा तबका ही कायदे से ऑनलाइन क्लासेज का फायदा उठा पाया है। अव्वल तो सारे स्कूलों में यह सुविधा ही मौजूद नहीं है, और जहां है वहां भी लैपटॉप और मोबाइल तक सीमित पहुंच तथा बिजली और नेटवर्क जैसी बाधाओं के चलते ज्यादातर बच्चे क्लास की सारी बातें नहीं समझ पाए। एक ही क्लास में जानकारी के अलग-अलग स्तर वाले बच्चों को लेकर आगे बढ़ना शिक्षकों के लिए बड़ी चुनौती साबित होने वाला है। मगर बात इतनी ही नहीं है। दस महीने की इस बंदी ने शिक्षा का ढांचा ढह जाने का खतरा पैदा कर दिया है। स्कूलों के वित्तपोषण से जुड़ी एक कंपनी आईएसएफसी द्वारा करवाए गए सर्वे के मुताबिक देश के 17.06 फीसदी स्कूल ऐसे रहे जहां इस साल फीस के नाम पर कुछ भी जमा नहीं हो पाया। 59.74 फीसदी स्कूलों में फीस कलेक्शन 40 प्रतिशत से भी कम रहा। स्वाभाविक रूप से इसका असर स्टाफ की सैलरी पर पड़ा। सर्वे के मुताबिक 26.49 फीसदी स्कूलों ने कर्मचारियों की छंटनी करने और 36.43 फीसदी ने वेतन में कटौती करने की बात स्वीकार की। जाहिर है, यह स्थिति लंबे समय तक नहीं चल सकती। राज्य सरकारों द्वारा स्कूल खोलने की इजाजत देने का एक रिश्ता इस संकट से भी है।

रहा सवाल महामारी का तो रोजाना नए संक्रमणों की संख्या भारत में भले कम हो गई हो, लेकिन वायरस का खतरा कम नहीं हुआ है। खासकर ब्रिटेन से फैल रहे कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन ने स्कूलों के लिए मुश्किल और बढ़ा दी है। वहां हालात लगभग काबू में आ गए थे, मगर युवाओं और बच्चों के लिए ज्यादा खतरनाक इस नए स्ट्रेन का उत्पात देखकर पूरे देश में फिर से सख्त लॉकडाउन लागू करना पड़ा। वैक्सीनें अगर पूरी तरह प्रभावी साबित होती हैं तो भी व्यापक आबादी तक उनके पहुंचने में वक्त लगेगा। ऐसे में बचाव का सबसे कारगर तरीका आज भी अधिकतम सावधानी बरतने का ही है। सरकारों ने स्कूलों पर ऐसी कई पाबंदियां लगाई हैं, पर उनका पालन सुनिश्चित करने का काम अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन के ही जिम्मे है।

लोकतंत्र में ट्रंप

किरीट ए. चावड़ा

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के साफ नतीजों के बावजूद सत्ता हस्तांतरण होने तक इतना कुछ हो जाएगा, शायद ही किसी ने सोचा हो। चुनावों में धांधली के आरोप लगाते हुए नतीजों को हर संभव मंच पर चुनौती देने के बावजूद निवर्तमान राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप कहीं भी किसी गड़बड़ी का सबूत नहीं दे सके। आखिरकार हर जगह से नतीजों की पुष्टि होने के बाद 6 जनवरी को संसद के दोनों सदनों ने जो बाइडन और कमला हैरिस की जोड़ी को विजेता घोषित कर दिया। मगर इस औपचारिकता के बीच जिस तरह ट्रंप के समर्थक संसद में घुस आए और उत्पात की हदें पार करते हुए कई लोगों की मौत का सबब बन गए, वह अमेरिकी लोकतंत्र के इतिहास में एक शर्मनाक अध्याय के रूप में दर्ज हो गया है।

इसके लिए खुद ट्रंप को जिम्मेदार बताना भी गलत नहीं है। जिस तरह उन्होंने संसद में हो रही चर्चा के दौरान रैली रखी, अपने समर्थकों से बड़ी संख्या में राजधानी पहुंचने की अपील की और रैली के दौरान मंच से उनको भड़काने की कोशिश की, वह सब असामान्य है। सबसे बड़ी बात यह कि अमेरिकी संसद की सुरक्षा 'ब्लैक लाइव्स मैटर' वाले प्रदर्शन की तरह सेना को सौंपने के बजाय पुलिस के हवाले छोड़ दी गई, जिसे उपद्रवियों ने चुटकियों में बिखेर दिया। बहरहाल, सदी की इस सबसे बड़ी लोकतंत्र विरोधी गतिविधि का जिम्मा सिर्फ एक व्यक्ति पर डालना काफी नहीं है। यह भी देखना होगा कि ट्रंप को यह सब कर गुजरने की ताकत कहां से हासिल हुई। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उनके फैसलों की आलोचना होती रही और ऐन चुनावी साल में कोरोना ने अमेरिका में जो तबाही मचाई, उसे भी ट्रंप सरकार की नाकामी समझा गया।

इसके बावजूद राष्ट्रपति चुनाव का स्वरूप कांटे की टक्कर वाला रहा। यहां तक कि चुनाव नतीजे आने के बाद जब ट्रंप की विदाई तय हो गई, तब भी न केवल उनके कहने पर हजारों लोग राजधानी में कुछ भी कर गुजरने का मन बनाकर इकट्ठा हुए बल्कि इसके एक दिन पहले उनके समर्थकों ने जॉर्जिया के सीनेट इलेक्शन में आम चुनाव से ज्यादा वोट डाले। इस जन-सक्रियता को एक सनकी नेता की ऊलजलूल हरकतों तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। निश्चित रूप से अमेरिकी लोकतंत्र का एक गहरा संकट ट्रंप के रूप में जाहिर हुआ है। कुछ महीने पहले अश्वेत असंतोष के विस्फोट में दुनिया ने अमेरिकी समाज की बेचैनी का एक पहलू देखा था। नए साल के पहले हफ्ते में इसी सिक्के का दूसरा पहलू श्वेत प्रतिक्रिया की शक्ल में नजर आया है। लेकिन अमेरिकी समाज की असुरक्षा का हल खोजने के लिए वहां की सत्ता को इन लक्षणों का नहीं, बीमारी का इलाज करना होगा। इतना तय है कि एक दशक के अंदर मंदी और महामारी के दोहरे संकट से गुजरे अमेरिकी लोकतंत्र की मुश्किलों का कोई न कोई तार दुनिया के हर सिस्टम से जुड़ा है। उसके सुलझने में सबकी दिलचस्पी स्वाभाविक है।

सत्ता की स्त्री विरोधी सोच है लव जिहाद कानून

जिगर डी वाढेर

लव जिहाद के मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों को नोटिस जारी किया है। इससे अंतरधार्मिक विवाह, खासकर प्रेम विवाह करने वालों के मन में एक उम्मीद जगी है। हालांकि कोर्ट ने दोनों सरकारों के इस अध्यादेश पर अभी रोक नहीं लगाई है। इस अध्यादेश के आने के बाद से ही अंतरधार्मिक शादी करने वाले लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अकेले उत्तर प्रदेश में पिछले महीने से अब तक 35 से अधिक मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। दिसंबर की शुरुआत में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हिंदू-मुस्लिम परिवार आपसी सहमति से अपने बच्चों की शादी कर रहे थे। अचानक 'हिंदू वाहिनी' नामक एक संगठन के कुछ लोग आए और शादी रुकवा दी। साथ में आई पुलिस भी यह बोली कि नए कानून के मुताबिक अंतरधार्मिक शादी के लिए एक महीने पहले डीएम की अनुमति जरूरी है।

हालांकि उसके एक महीने पहले तक यह अध्यादेश उत्तर प्रदेश में आया ही नहीं था।

दरअसल हाल ही में विवाह के बहाने धर्मांतरण को रोकने के लिए योगी आदित्यनाथ की सरकार नया अध्यादेश लाई है, जो 'लव जिहाद कानून' के नाम से कुख्यात हो रहा है। इस अध्यादेश के आते ही इसके दुरुपयोग की शिकायतें सामने आने लगी हैं।

पिछले दिनों यूपी के बरेली में तीन मुस्लिम लड़कों के खिलाफ लव जिहाद का फर्जी केस दर्ज किया गया। इसी तरह बिजनौर में एक मुस्लिम लड़के को कुछ लोगों ने यह आरोप लगाकर पीट दिया कि वह जिस हिंदू लड़की के साथ घूम रहा है, उसका धर्म बदलवाकर उससे शादी करना चाहता है। लड़की कहती रही कि ऐसा कुछ भी नहीं है, बावजूद इसके पुलिस ने लड़के पर कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर रखा है। क्या सरकार इस कानून के जरिए ऐसा संदेश देना चाहती है कि शादी तो दूर, दो धर्मों के युवा आपस में दोस्ती भी न रखें?

अपनी मर्जी से शादी करना या किसी भी धर्म का पालन करना हमारा मौलिक अधिकार है। ये दोनों ही अधिकार हमें संविधान के अनुच्छेद 21 और 25 से मिले हैं। लेकिन अफसोस की बात यह है कि उत्तर प्रदेश या उत्तराखंड और अब मध्य प्रदेश की सरकारों ने इस तरह के कानून बनाकर नागरिकों के मौलिक अधिकार सस्पेंड कर दिए हैं। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार तो लगातार यही मानकर चल रही है कि ऐसी सारी शादियां हिंदू लड़कियों को बरगला कर की जाती हैं। यह सरकार की घटिया पितृसत्तामक सोच है, जिसके मुताबिक सारी लड़कियां विशुद्ध रूप से मूर्ख होती हैं और अपने निर्णय खुद नहीं ले सकती हैं।

इसी स्त्री विरोधी सोच के तहत सरकार दसियों साल पहले हुई शादियों की भी पड़ताल कर रही है। यूपी में ऐसी शादियां करने वाली लड़कियों के लिए मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग का इंतजाम है। अगर लड़की अपनी शादी से खुश है तो भी यह माना जा रहा है कि संभव है वह 'स्टॉकहोम सिंड्रोम' का शिकार हो गई हो। इस सिंड्रोम में माना जाता है कि अक्सर अपने पीड़क से ही प्रेम हो जाता है। जाहिर है, इस कानून का दुरुपयोग पुरानी और सफल शादी को भी तोड़ने में किया जा सकता है।

अंतरधार्मिक विवाह के मूल में प्रेम होता है। ऐसी शादियां अमूमन घरवालों की मर्जी के खिलाफ ही होती हैं।

मगर इस काले कानून के तहत घरवालों से लेकर शहर में कुकुरमुत्ते की तरह उगे संगठनों तक को यह अधिकार मिल गया है कि वे कोई ना कोई पेंच लगाकर शादी को रोक सकते हैं। गाजियाबाद में ऐसे ही कुछ लोगों ने एक वैवाहिक समारोह के दौरान हंगामा खड़ा करने की कोशिश की।

वहां वर-वधू पक्ष मजबूत थे तो इन लोगों को भगा दिया गया। मगर सब इतने मजबूत नहीं होते। उन तमाम लोगों के लिए बचाव का कोई इंतजाम नहीं है।

जाहिर है, सामान्य नागरिकों के मौलिक अधिकार व्यवहार में निलंबित हो गए हैं। अब जबकि मामला कोर्ट में है और नोटिस भी जारी हो चुका है, तो सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस मदन बी लोकुर की बात याद आती है कि इस कानून में इतनी खामियां हैं कि यह कोर्ट में कहीं नहीं टिकेगा।

दर्जन में पहुंचेगी ओलिंपिक मेडल की गिनती

भूपेन्द्र पटेल

शताब्दी के पहले दो दशकों को खेलों का मजबूत आधार बनाने वाला कहा गया तो इस तीसरे दशक को परिणाम देने वाला मान सकते हैं। इस दशक में खेलों के महाकुंभ यानी ओलिंपिक के तीन आयोजन होने हैं। इसी साल टोक्यो ओलिंपिक हो रहा है। पिछला लगभग पूरा साल कोरोना की भेंट चढ़ जाने की वजह से ऐसा हो सकता है कि टोक्यो ओलिंपिक में हम अपने सपनों को साकार न कर पाएं। लेकिन 2024 के पेरिस और 2028 के लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में कसर पूरी हो सकती है। इसके अलावा क्रिकेट में भी यह दशक हमारे लिए अपने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों के सामने नई चुनौतियां पेश करने का है।

हॉकी में उम्मीद

हमारे लिए इस दशक की प्रमुख चुनौती ओलिंपिक हॉकी में पोडियम पर चढ़ने की है। भारतीय टीम ने पिछले साल की शुरुआत में एफआईएच प्रो लीग में अच्छा प्रदर्शन करके विश्व रैंकिंग में चौथा स्थान हासिल किया और यह उम्मीद बंधाई कि 40 सालों से पोडियम से चली आ रही दूरी टोक्यो ओलिंपिक में खत्म हो सकती है। भारतीय टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड का मानना है कि बेंगलुरु में चार माह चले शिविर के दौरान खिलाड़ी अपनी फिटनेस और स्किल को साल की शुरुआत वाले स्तर तक पहुंचाने में सफल रहे हैं। वैसे टीम को पिछले महीनों की तैयारी के बाद अपनी क्षमता परखने का मौका नहीं मिला है लेकिन ढाका में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और फिर एफआईएच प्रो लीग के अप्रैल से मई तक होने वाले मुकाबलों में उसे अच्छा मैच अभ्यास मिलने वाला है।

तिरुवनंतपुरम में इंटरनैशनल ओलिंपिक डे रन के दौरान स्कूली लड़कियां (फोटोः राकेश नायर)

पीवी सिंधु के लिए इस दशक में अपने ओलिंपिक रजत पदक को स्वर्ण पदक में बदलने की चुनौती होगी। वैसे 2016 के रियो ओलिंपिक में रजत पदक जीतने के बाद विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने दिखा दिया है कि उनमें ओलिंपिक स्वर्ण पाने का भी माद्दा है। उनके सामने इस नए दशक में विश्व रैंकिंग में पहला स्थान पाने की भी चुनौती होगी। भारतीय दिग्गज शटलर सायना नेहवाल, किदाम्बी श्रीकांत, एचएस प्रणय, बी साई प्रणीत सभी पिछले दशक के हीरो रहे हैं। अगले एक-दो सालों में मौजूदा दिग्गजों का स्थान लेने के लिए युवा प्रतिभाशाली शटलर भी तैयार हैं। इनमें लक्ष्य सेन, रोहन गुरबानी, वरुण कपूर, तसनीम मीर और गायत्री गोपीचंद के नाम लिए जा सकते हैं। इनमें बाकी युवाओं को सीनियर सर्किट में पैर जमाने में तीन-चार साल का समय लग सकता है पर लक्ष्य सेन सीनियर स्तर पर धमाका करने को तैयार हैं।

भारतीय खिलाड़ियों से किसी एक खेल में सबसे ज्यादा उम्मीद है तो वह है निशानेबाजी। इसमें अब कमान सौरभ चौधरी, मनु भाकर, दिव्यांश सिंह पंवार, यशस्वी देसवाल और ऐश्वर्य सिंह तोमर के हाथों में है। ये सब 18 से 22 साल के बीच हैं। साफ है कि इनमें से ज्यादातर का इस पूरे दशक में जलवा दिखने वाला है। ये सभी युवा निशानेबाज आईएसएसएफ विश्व कपों में पदकों पर निशाने साध चुके हैं। ये उम्र में छोटे जरूर हैं पर अंतरराष्ट्रीय अनुभव के मामले में काफी मजबूत हैं। भारत ने ओलिंपिक खेलों की निशानेबाजी में अब तक अभिनव बिंद्रा के गोल्ड सहित कुल चार पदक जीते हैं। मौजूदा यंग ब्रिगेड एक ही ओलिंपिक में इससे ज्यादा पदकों पर निशाने साधने की क्षमता रखती है। अगर इन्हें सही मार्गदर्शन मिला तो भारत की ओलिंपिक में दर्जन से ज्यादा पदक जीतने की आस ये पूरी कर सकते हैं। यह काम टोक्यो में तो नहीं लेकिन पेरिस ओलिंपिक तक पूरा कर लेने की उम्मीद उनसे जरूर रखी जा सकती है।

एथलेटिक्स को ओलिंपिक का शो इवेंट माना जाता है लेकिन हम पिछले 120 सालों से इन खेलों में कोई ओलिंपिक पदक नहीं जीत पाए हैं। नॉर्मन प्रिचार्ड द्वारा सन 1900 में जीते गए दो पदकों और पीटी ऊषा तथा मिल्खा सिंह के पदक के करीब पहुंचने की कहानियों से ही हम प्रेरणा हासिल करते रहते हैं। अब जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा, धावक हिमा दास और यूसी चित्रा इस दशक में पदकों से हमारी दूरी खत्म होने का भरोसा जगा रहे हैं। इसी तरह वेटलिफ्टर सेखोम मीराबाई चानू,

जेरेमी लालरीनुंगा, साइक्लिस्ट एशो एलबेन और मुक्केबाज अमित पंघाल तथा विकास कृष्ण इस दशक में भारत का परचम लहराते नजर आ सकते हैं।

देश के सबसे लोकप्रिय खेल क्रिकेट की बात करें तो विराट कोहली सफलतम कप्तान भले हों, अपनी कप्तानी में विश्व कप जीतने का गौरव वह हासिल नहीं कर सके हैं। आईसीसी विश्व कप का 2023 में भारत में ही आयोजन होना है। तब उनके सामने महेंद्र सिंह धोनी की तरह घर में विश्व कप जीतने का सुनहरा मौका होगा। उससे पहले इसी साल उन्हें घर में टी-20 विश्व कप खेलने का भी मौका मिलेगा। टीम इंडिया के सामने इस दशक में टेस्ट और वनडे रैंकिंग में पहले पायदान पर पहुंचने की चुनौती भी है। हर दशक खिलाड़ियों के लिए बदलाव लेकर आता है। इस दौरान कुछ खिलाड़ियों की टीम से विदाई होती है तो कुछ युवा अपनी जगह पक्की करते हैं। हम भाग्यशाली हैं कि देश में युवा प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की कमी नहीं है। शुभमन गिल और पृथ्वी शॉ टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं, पर आने वाले सालों में यशस्वी जायसवाल, प्रियम गर्ग, देवीदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई और कार्तिक त्यागी टीम इंडिया का सितारा बुलंद करते नजर आ सकते हैं।

महिला क्रिकेट चैंपियनशिप

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज अपनी अगुआई में टीम को 2017 विश्व कप में फाइनल तक तो ले गई पर चैंपियन नहीं बना सकी थीं। टी-20 क्रिकेट से वह संन्यास ले चुकी हैं लेकिन 2022 में न्यूजीलैंड में होने वाले विश्व कप में भारत को चैंपियन बनाने का सपना जी रही हैं। उनका यह सपना शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग जैसी युवा प्रतिभाएं ही पूरा कर सकती हैं। कुल मिलाकर हम यह जरूर कह सकते हैं कि मौजूदा दशक भारतीय खेलों के लिए पिछले दशकों के मुकाबले कहीं ज्यादा सफलताएं दिलाने वाला साबित होगा।

चोरी के शक में सिर मुंडवाया और Nude March करवाया,पांच आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, मायानगरी मुंबई में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां कुछ लोगों को चोरी के शक में 4 से 5 लोग पहले घर से जबरन उठाकर लाते हैं। फिर उनके साथ में बेतहाशा मारपीट करते हैं। फिर उनका सिर मुंडवाकर उन्हें अर्धनग्न अवस्था में उनको मोहल्ले में घुमाया जाता है। इतना ही नहीं आरोपियों ने इस घटना का वीडियो रिकॉर्ड किया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जब यह वीडियो पुलिस के पास तक पहुंचा तो उन्होंने मामले की छानबीन की। पुलिस ने 5 लोगों के खिलाफ किडनैपिंग और जान से मारने की कोशिश के साथ आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मोबाइल चोरी के शक में हुई वारदात यह घटना मुंबई के कांदिवली इलाके की है जो महज चोरी के शक की वजह से अंजाम दी गई। आरोपियों ने बर्बरता की सारी हदों को पार करते हुए पीड़ितों के साथ जमकर मारपीट की थी। इस पूरी वारदात को आरोपियों ने स्वीकार भी किया है।

पुलिस के पास जाने की बजाय आरोपियों ने खुद ही जज बनकर फैसला सुनाने की कोशिश की। इसी वजह से अब वे हवालात की सैर कर रहे हैं। आरोपियों ने जिन लोगों के साथ मोबाइल चोरी के शक में मारपीट की थी। उन्होंने वीडियो में बताया कि रात को 3 बजे घुसकर उन्होंने चोरी की वारदात को अंजाम दिया था जिसमें एक मोबाइल और 30 हजार रुपया चोरी किया गया था। इस चोरी की वारदात में 3 लोग शामिल थे। इसमें से एक सहयोगी फरार है। पुलिस रिमांड में आरोपी पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में हाजिर किया। जहां कोर्ट ने उन्हें 11 जनवरी तक पुलिस रिमांड में भेजा है। इस मामले में पुलिस आरोपी चार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है जो फिलहाल फरार बताया जा रहे हैं। इस मामले में आला अधिकारियों की संजीदगी के बाद ही कार्रवाई संभव हो सकी है। वरना निचले स्तर के अधिकारियों ने मामले पर कोई तवज्जो देना जरूरी नहीं समझा था। उच्च अधिकारियों ने इस मामले में लापरवाह अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई है

भ्रष्टाचार का अड्डा बनता जा रहा है शिरडी साईं संस्थान?

मुंबई, भूमाता ब्रिगेड की अध्यक्षा और महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ने वाली तृप्ति देसाई ने शिर्डी के साईं बाबा संस्थान को भ्रष्टाचार का एक बड़ा अड्डा बताया है। उन्होंने कहा कि शिर्डी संस्थान जितना बड़ा है उतना ही ज्यादा अब विवादित भी हो चुका है। बीती शाम भूमाता ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने साईं संस्थान पर महिलाओं के ड्रेस कोड वाले पोस्टर पर कालिख पोत कर अपना विरोध जताया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार का बोर्ड मंदिर प्रशासन ने लगाया है वह संविधान प्रदत्त अधिकारों का हनन है। जब संविधान ने हमें यह आजादी दी है कि हम अपने मन मुताबिक कपड़े पहन सकते हैं तो फिर शिर्डी संस्थान इस तरह के नोटिस बोर्ड क्यों लगा रहा है।

फिर होगा विरोध प्रदर्शन

तृप्ति देसाई ने कहा कि हमने मंदिर प्रशासन से कई बार अनुरोध किया था कि वे इस बोर्ड को हटाएं। लेकिन उन्होंने इसे हटाने की बजाय और ऊपर कर दिया। जिसके बाद हमारे कार्यकर्ताओं ने वहां पहुंचकर नोटिस पर कालिख पोती। मंदिर प्रशासन को हम एक बार फिर से चेतावनी देना चाहते हैं कि वह इस नोटिस बोर्ड को हटा दें। वरना और भी बड़ा आंदोलन मंदिर पर किया जाएगा। साईं संस्थान के पूर्व ट्रस्टी एकनाथ गोपकर ने बताया कि इस मामले में पुलिस कार्रवाई कर रही है। नोटिस बोर्ड को नहीं हटाया जाएगा। आपको बता दें कि शिर्डी साईं संस्थान पर कुछ महिला भक्तों ने पिछले महीने यह आरोप लगाया था कि मंदिर में आरती करने के लिए उनसे 25 हज़ार रुपये की मांग की गयी थी।

स्टैंप ड्यूटी छूट का लाभ लेने में पीछे नहीं रहे मुंबईकर, 46 करोड़ रुपये की हुई कमाई

मुंबई, स्टैंप ड्यूटी की छूट का मुंबईकर भरपूर फायदा उठा रहे हैं। पिछले छह दिनों में मुंबई में करीब 1,882 प्रॉपर्टीज के रजिस्ट्रेशन हुए हैं। घरों की बिक्री से सरकार को वर्ष के पहले सप्ताह में ही 46 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई हुई है। स्टैंप ड्यूटी में छूट के बाद पिछले महीने मुंबई में खूब घरों की बिक्री हुई। प्रॉपर्टी के रजिस्ट्रेशन से सरकार को वर्ष के अंत में रिकॉर्ड तोड़ 810 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। मुंबई रजिस्ट्रेशन विभाग के मुताबिक, दिसंबर में करीब 33,051 प्रॉपर्टी का रजिस्ट्रेशन हुआ है। वहीं दिसंबर 2019 में सरकार को प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन से 696.35 करोड रुपये की कमाई हुई थी। बता दें कि कोरोना वायरस के प्रभाव को कम करने के लिए लगे लॉकडाउन का हाउसिंग सेक्टर पर बहुत बुरा असर पड़ा था। इस सेक्टर में दोबारा जान फूंकने के लिए सरकार ने 1 सितंबर से 31 दिसंबर तक स्टैम्प ड्यूटी में 3 प्रतिशत और 1 जनवरी 2021 से 31 मार्च तक 2 प्रतिशत की छूट देने का फैसला लिया था। सरकार के इस निर्णय के सकारात्मक नतीजे सामने आने लगे हैं। छूट का लाभ उठाने के लिए बड़ी संख्या में आगे आ रहे हैं।

छूट की अवधि बढ़े घरों की बिक्री बढ़ाने के लिए बिल्डर भी ग्राहकों को कई तरह का ऑफर दे रहे हैं। इसके तहत बिल्डर ग्राहकों को स्टैम्प ड्यूटी में 100 प्रतिशत की छूट देने का ऑफर दे रहे हैं। कुरैशी असोसिएट्स के प्रमुख मोहम्मद उस्मान कुरैशी ने सरकार से स्टैंप ड्यूटी में 3 प्रतिशत की छूट की अवधि मार्च तक बढ़ाने की मांग की है। कुरैशी के मुताबिक, छोटी प्रॉपर्टी के खरीददारों को 1 प्रतिशत कम होने का ज्यादा असर नहीं पड़ रहा है, जबकि बड़ी और महंगी प्रॉपर्टी की बिक्री पर 1 प्रतिशत कम होने का काफी असर होता है

अन्वय खुदकुशी मामला: कोर्ट में पेश नहीं हुए अरनब गोस्वामी

मुंबई, इंटीरियर डिजाइनर अन्वय नाइक को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में आरोपी रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक अरनब गोस्वामी गुरुवार को रायगड की एक अदालत के समक्ष पेश नहीं हुए। इसके बाद अभियोजन पक्ष ने उनके खिलाफ वॉरंट जारी करने का अनुरोध किया। अलीबाग पुलिस ने नवंबर 2020 में इंटीरियर डिजाइनर अन्वय नाइक की कथित आत्महत्या से संबंधित मामले में गोस्वामी और दो अन्य को गिरफ्तार किया था। उन्हें बाद में सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी थी। गुरुवार को जब मामला अलीबाग सेशन कोर्ट के समक्ष आया तो गोस्वामी के वकील ने पेशी से छूट मांगी। कोर्ट ने छूट प्रदान कर दी। दो अन्य आरोपी फिरोज शेख और नीतीश सारडा भी पेश नहीं हुए। विशेष लोक अभियोजक प्रदीप घरात ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि आरोपियों को पहचान के लिए पेश होना चाहिए था, क्योंकि कोर्ट द्वारा आरोपपत्र का संज्ञान लेने के बाद यह पहली सुनवाई थी। उन्होंने गोस्वामी और दो अन्य के खिलाफ वॉरंट जारी करने का भी अनुरोध किया।

कोर्ट ने घरात की अर्जी को लंबित रखते हुए कहा कि चूंकि कोरोना वायरस के चलते पाबंदियां 31 जनवरी तक लागू हैं, इसलिए ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। मामले में अगली सुनवाई छह फरवरी को होगी। अभियोजक ने कहा कि उस तिथि को आरोपियों को व्यक्तिगत रूप से या विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पेश होने की आवश्यकता होगी।

11 महीनों में 2270 खुदकुशी, आखिर महाराष्ट्र में मौत को क्यों गले लगा रहे किसान?

मुंबई, महाराष्ट्र की ठाकरे सरकार को सत्ता पर काबिज हुए एक साल से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है। इस दौरान महाराष्ट्र में 2270 किसानों ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला को समाप्त कर लिया है। यह आंकड़ा साल 2020 के जनवरी महीने से लेकर नवंबर तक का है। हालांकि यह संख्या साल 2019 के आंकड़ों से कम बताई जा रही है। साल 2019 में 2566 किसानों ने आत्महत्या की थी। मुआवजे के हकदार थे किसान आरटीआई एक्टिविस्ट जितेंद्र घाडगे की निकाली गई जानकारी पर गौर करें तो यह पता चलता है जिन 2270 किसानों ने आत्महत्या की है, उनमें से 40% से ज्यादा यानी 920 किसान मुआवजे के हकदार थे। यह जानकारी महाराष्ट्र के राजस्व मंत्रालय की तरफ से आरटीआई के तहत दी गई है। सरकार कर्ज में डूबे किसानों को मुआवजा देती है। अक्सर यह मुआवजा उनके परिजनों को मिलता है जो तकरीबन एक लाख रुपये तक होता है। कपास उत्पादक किसानों की आत्महत्या जानकारी के अनुसार आधे से ज्यादा किसान विदर्भ इलाके के हैं। जिसे महाराष्ट्र की कॉटन बेल्ट के रूप में भी जाना जाता है। इस इलाके से तकरीबन 1230 किसानों ने आत्महत्या की है। मराठवाड़ा के सूखे इलाके वाली जगहों पर 693 किसानों ने आत्महत्या की है। जबकि उत्तर महाराष्ट्र में यह आंकड़ा 322 किसानों का है।

पश्चिम महाराष्ट्र जिसे शुगर बेल्ट के नाम से भी जाना जाता है वहां आत्महत्या के 25 मामले दर्ज हुए हैं। जबकि कोंकण इलाके में एक भी सुसाइड सामने नहीं आया है।

सरकार से निराश किसान

किसान नेता अजित नवले ने बताया कि सरकार ने किसानों की फसल को बीते सालों के मुकाबले इस वर्ष अधिक मात्रा में खरीदा है। बावजूद इसके किसानों को अपनी फसल स्थानीय व्यापारियों को बेचनी पड़ी। जिसकी वजह से किसानों को केंद्र सरकार की कृषि सम्मान योजना और राज्य की कर्ज माफी स्कीम का फायदा नहीं मिल पाया।

दूसरी तरफ खराब बीज की वजह से भी किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ा। सरकार की यह दोनों योजनाएं किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती थी, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया।

MMRDA की हो सकती है मेट्रो-1, तैयारी तेज, सलाहकार की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया शुरू

मुंबई, एमएमआर रीजन में मेट्रो के 13 कॉरिडोर तैयार करने के साथ ही मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने मेट्रो-1 को भी लेने की तैयारी तेज कर दी है। मेट्रो-1 को लेने के लिए एमएमआरडीए ने सलाहकार नियुक्त करने का निर्णय लिया है। सलाहकार काम मेट्रो-1 की कीमत तय तय करेगा और पूरी प्रक्रिया के दौरान प्राधिकरण को सुझाव देगा। 2014 से घाटकोपर से वर्सोवा के बीच मेट्रो-1 दौड़ रही है। रिलाइंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने सरकार के साथ मिल कर मुंबई की पहले करीब 11 किमी लंबे मेट्रो मार्ग का निर्माण 2014 में पूरा किया था। मेट्रो-1 में रिलाइंस इंफ्रास्ट्रक्चर की हिस्सेदारी करीब 69 प्रतिशत की है। सामान्य दिनों में रोजाना करीब 4 लाख लोग इससे सफर करते थे, जो फिलहाल घटकर 50 हजार के करीब हो गए हैं।

उम्मीद के मुताबिक आमदनी नहीं होने के कारण कई वर्षों से मेट्रो-1 सफेद हाथी साबित हो रही है। मेट्रो-1 के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, हर वर्ष कंपनी को मेट्रो से करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। निर्माण के लिए कर्ज का ब्याज भरने में भी कंपनी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में कंपनी ने मेट्रो को सरकार को बेचने का निर्णय लिया है। कंपनी के निर्णय के बाद एमएमआरडीए मेट्रो-1 को लेने की तैयारी में जुट गया है। सलाहकार की मदद से खरीदारी की पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया जाएगा। सलाहकार की नियुक्ति के लिए प्राधिकरण ने टेंडर जारी किया है। इस पद के लिए इच्छुक उम्मीदवार 28 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। खुद का इंफ्रास्ट्रक्चर एमएमआरडीए मुंबई समेत ठाणे, कल्याण, भिवंडी में करीब 340 किमी लंबा मेट्रो का जाल बिछा रही है। मेट्रो मार्ग तैयार करने के साथ ही एमएमआरडीए मेट्रो कोच के रखरखाव के लिए खुद का इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रही है। इसके लिए कर्मचारियों को ट्रेनिंग का भी काम शुरू कर दिया गया है। ऐसे में मेट्रो-1 का जिम्मा संभालने में प्राधिकरण को कोई दिक्कत नहीं होगी। मेट्रो के सभी 13 कॉरिडोर को एक-दूसरे से कनेक्ट करने की भी योजना है।

मुंबई-दिल्ली Express way से कम होगी 220 किलोमीटर की दूरी, गडकरी की घोषणा

मुंबई, केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को यह घोषणा की है कि मुंबई-दिल्ली ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे को जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट तक बढ़ाया जाएगा। पहले इस एक्सप्रेस-वे को ठाणे शहर तक ही बनाया जाना था।

इस एक्सप्रेस वे पर 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ियां चल सकेंगी। 220 किलोमीटर की दूरी होगी कम दिल्ली-मुंबई हाईवे भारत का फ्लैगशिप एक्सप्रेस वे होगा। इसकी मदद से दिल्ली और मुंबई के बीच की दूरी तकरीबन 220 किलोमीटर कम हो जाएगी।

वहीं इस हाईवे पर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से गाड़ियां चल सकेंगे।

राज्य की इस सड़क को बनाने के लिए तकरीबन 7000 करोड़ का फंड अप्रूव कर दिया गया है। बढ़ाई गयी प्रोजेक्ट की कॉस्ट गडकरी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट की कॉस्ट तकरीबन 5801 करोड रुपए बढ़ा दी गयी है।

पहले सालाना 2727 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रावधान था।

इससे राज्य में 1035 किलोमीटर के राष्ट्रीय हाईवे का काम अच्छा और तेज गति से होगा। 429 करोड़ रुपये से पांच बड़े पुल और 10 छोटे पुलों का रिकंस्ट्रक्शन किया जाएगा।

सेंट्रल रोड फन्ड की तरफ से भी 1800 करोड़ रुपये अलॉट किये गए हैं। इस दौरान नितिन गडकरी के साथ मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, राजस्व मंत्री बालासाहेब थोरात और नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे मौजूद थे।

राज्य सरकार भी बनी पार्टनर नितिन गडकरी ने बताया कि दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस हाईवे के लिए महाराष्ट्र सरकार भी भागीदार होगी।

राज्य सरकार को जीएसटी में छूट देनी होगी साथ ही स्टील और सीमेंट की आपूर्ति करनी होगी वो भी रॉयल्टी फ्री। उन्होंने बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे के एक्सटेंशन की वजह से इस प्रोजेक्ट की लागत 15000 करोड रुपए तक बढ़ चुकी है।

गडकरी ने कहा कि हम राज्य सरकार से चाहते थे कि वे 50 फीसदी पैसे भूमि अधिग्रहण के लिए दें।

लेकिन सरकार ने कहा कि हम जीएसटी और रॉयल्टी में छूट देकर अपनी भागीदारी निभाएंगे।

व्यापारीगण कृपया ध्यान दें! जल्द शुरू होने वाली है एक्सप्रेस मालगाड़ी

मुंबई, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस डबल डेक मालगाड़ी को हरी झंडी दिखाई, उसकी नींव 14 साल पहले पड़ चुकी थी। करीब एक दशक बीत जाने के बाद भी इस डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर का काम मालगाड़ियों की तरह धीमी रफ्तार से ही चल रहा था। आज हम जानेंगे वेस्टर्न डीएफसी के बारे में जिसे अगले साल तक जेएनपीटी (मुंबई) पहुंचना है।

देश के वेस्टर्न बंदरगाहों और व्यापार की दृष्टि से महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ने वाला वेस्टर्न डीएफसी कुल 1,504 किमी लंबा है। इस कॉरिडोर के चार हिस्से हैं। जिसमें खुर्जा से दादरी (46k m), दादरी से रेवाड़ी (127km), मदार से पालनपुर (335km), पालनपुर से मकरपुरा (308km) और मकारपुरा से जेएनपीटी (430km) का हिस्सा है। इनमें से खुर्जा से दादरी और मदार से पालनपुर अगले दो महीने में पूरी तरह से ऑपरेशनल होगा।

इसके बाद दादरी से रेवाड़ी और पालनपुर से माकरपुरा अगले साल मार्च तक ऑपरेशनल होने की उम्मीद है। उम्मीद है कि ये कॉरिडोर अगले साल जून तक जेएनपीटी से भी कनेक्ट हो जाएगा।

कॉरिडोर का फायदा

एक जमाना था, जब जेएनपीटी पोर्ट से 30 प्रतिशत माल रेलवे द्वारा ढोया जाता था। वक्त के साथ भारतीय रेलवे में माल से होने वाली कमाई में गिरावट आई। आज जेएनपीटी की क्षमता दोगुनी होने के बावजूद रेलवे द्वारा

केवल 18 फीसद माल ही उठाया जा रहा है। बाकी 82 फीसद माल रोड ट्रांसपोर्ट के जरिए पहुंचाया जाता है, लेकिन अब तस्वीर पूरी तरह से बदलने वाली है।

भारतीय रेलवे का डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) देश में माल वहन का चेहरा बदल देगा। इस कॉरिडोर पर जब 100 किमी प्रतिघंटा (अधिकतम रफ़्तार) की गति से 1.5 किमी डबल डेकर मालगाड़ी फर्राटे से दौड़ेगी।

14 साल पुराना प्रॉजेक्ट

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के कार्यकाल में भारतीय रेलवे पर माल वहन के लिए अलग से कॉरिडोर बनाने की संकल्पना हुई थी। वर्ष 30 अक्टूबर, 2006 को कंपनीज ऐक्ट के तहत डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआई) का गठन हुआ। वर्ष 2007-12 की पंचवर्षीय योजना में इस परियोजना को शामिल किया गया। इसके तहत वेस्टर्न डीएफसी और ईस्टर्न डीएफसी कुल 3,360 किमी लंबा फ्रेट कॉरिडोर (माल गाड़ियों के लिए अलग से ट्रैक) प्रस्तावित हुआ। ईस्टर्न डीएफसी लुधियाना (पंजाब) से दानकुनी (प.बंगाल) तक 1,760 किमी लंबा और वेस्टर्न डीएफसी महाराष्ट्र के जेएनपीटी से दादरी (उत्तर प्रदेश) तक कुल 1,504 किमी लंबा कॉरिडोर होगा।

यात्री ट्रेनों को भी मिलेगी रफ्तार

डीएफसी बनने के साथ ही मुंबई से दिल्ली तक कुल 88 लेवल क्रॉसिंग बंद हो जाएंगी, जिसका लाभ मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों को भी मिलेगा। लेवल क्रॉसिंग बंद होने से मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों की टाइमिंग भी बढ़ेगी। इसके अलावा यात्री ट्रेनें और मालगाड़ियां फिलहाल एक ही ट्रैक शेयर करती हैं, इससे यात्री ट्रेनों की गति में भी रुकावट होती है। डीएफसी बनने के बाद यात्री ट्रेनों की राह आसान हो जाएगी। तीन दिन के बजाय एक दिन में भारतीय रेलवे में अभी भी माल गाड़ियों के लिए समय सारिणी तो बनती है, लेकिन 90 प्रतिशत ट्रेनें तयशुदा वक्त पर नहीं चल पाती हैं। इन माल गाड़ियों को मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों के बीच-बीच में चलाकर किसी तरह चलाया जाता है। मौजूदा स्थिति यह है कि मालगाड़ी 30-35 किमी प्रतिघंटे की औसत गति से चलती है। डीएफसी बनने के बाद 100 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से बिना रोक टोक मालगाड़ी गंतव्य स्थान तक पहुंच सकेगी। आज की परिस्थिति में जेएनपीटी से दादरी पहुंचने के लिए मालगाड़ी को 3 दिन लगते हैं, डीएफसी के बाद अधिकतम 24 घंटे में ट्रेनें पहुंच जाएंगी।

मैरेज हॉल वालों को रखना होगा बारातियों का हिसाब

मुंबई, मुंबई के मैरिज हॉल वालों को अब बारातियों की जानकारी रखनी होगी। इसके लिए प्रबंधकों को हॉल और लॉन में आनेवाले प्रत्येक बाराती का मोबाइल नंबर और पता लेना होगा। बीएमसी ने यह कदम इसलिए उठाया है कि नए मिलनेवाले कोरोना मरीजों में से करीब 20 फीसद मरीजों की हिस्ट्री उनके शादी या अन्य समारोह में शामिल होने की रही है। मुंबई में कोरोना नियंत्रण में आ रहा है। नए वर्ष में भी कोरोना के नए मरीज कम मिल रहे हैं। इन आंकड़ों को और कम करने के लिए बीएमसी हर संभव प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में मुंबई शहर और उपनगरों के मैरेज हॉल और लॉन प्रबंधकों को समारोह में आनेवाले लोगों का ब्योरा रखने को बीएमसी ने कहा है। इसकी शुरुआत बीएमसी के डी वॉर्ड में हो गई है। डी वॉर्ड के सहायक मनपा आयुक्त प्रशांत गायकवाड ने बताया कि उनके क्षेत्र में आनेवाले सभी हॉल प्रबंधकों को समारोह में आनेवाले बारातियों का मोबाइल नंबर और उनका पता लिखने का निर्देश दिया गया है।

डिलीवरी के बाद कमर दर्द छीन रहा है सुख-चैन तो इन 6 आसान तरीकों से पाएं आराम

सोनल झालावाड़िया

डिलीवरी के बाद हर मां की खुशी दोगनी हो जाती है। हाथ में उसकी नन्ही सी जान होती है। चेहरे पर मुस्कान होती है। लेकिन भावनाएं, व्यवहारिकता से कुछ भिन्न हैं। कमर दर्द की कई शारीरिक वजहें हो सकती हैं, इनमें से एक हार्मोनल बदलाव है। आप कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से कमर दर्द से छुटकारा पा सकती हैं।

सिकाई करें

सबसे पहले आप यह समझें कि डिलीवरी के बाद कमर में दर्द क्यों होता है? इसकी बड़ी वजह है कि गर्भावस्था में गर्भाशय का आकार बड़ा हो जाता है और मांसपेशियां खिंच जाती हैं।

डिलीवरी के तुरंत बाद शरीर ढीला पड़ जाता है। यही कारण है कि कमर में दर्द शुरू हो जाता है। इस दर्द से छुटकारा पाने के लिए सिकाई एक अच्छा विकल्प है। गुनगुने पानी से नहाकर कमर की अच्छी सिकाई कर सकती हैं। यदि कमर में अकड़न है तो गुनगुने पानी में सेंधा नमक का उपयोग करें। आराम मिलेगा।

नियमित दूध पिएं

शायद आपको यह ज्ञात हो कि कैल्शियम की कमी कमर दर्द का एक महत्वपूर्ण कारण है। यदि आपके शरीर में कैल्शियम की कमी है तो कमर दर्द लंबे समय तक बना रहा सकता है।

इसलिए रोजाना दो गिलास दूध जरूर पिएं। इससे आपकी हड्डियों को मजबूती मिलेगी और कमर दर्द से आराम मिलेगा।

तेल से पीठ की मालिश करवाएं

आप सामान्य तेल जैसे सरसो के तेल से पीठ की मालिश करवाएं। इससे पीठ दर्द में फर्क पड़ता है। यदि दर्द ज्यादा होता है तो इसके लिए लहसुन और सरसो का तेल आजमा सकती हैं।

लहसुन की कुछ कलियां बारीक काटकर सरसो के तेल में डाल दें। तेल को गर्म कर लें। जब लहसुन का रंग बदलकर गोल्डन ब्राउन हो जाए, तो गैस बंद कर दें।

तेल ठंडा होने पर कमर की मालिश करें। यदि ठंड की वजह से कमर दर्द हो रहा होगा, तो जल्द आराम मिलेगा। इस तेल को कुछ दिनों तक नियमित लगाएं।

रात को सोते समय आपने अक्सर महसूस किया होगा कि कमर दर्द के कारण नींद अच्छी नहीं हो रही है। सुबह खुद को थका हुआ पाती हैं।

तकिये की मदद से कमर दर्द में आराम मिल सकता है। तकिया आपको सिर के बजाय अपने घुटने और कूल्हे के नीचे रखकर सोना है। इससे दर्द से राहत मिलेगी।

वजन नियंत्रित रखें

डिलीवरी के एक माह बाद कोशिश करें कि आप अपने पुराने वजन में लौट सकें। प्रेग्नेंसी के बाद सही डाइट बहुत मायने रखती है।

पौष्टिक आहार लें और बाहरी स्नैक्स और जंक फूड से दूर रहें। यही चीजें आपको वजन नियंत्रण में मदद करेंगी। वजन सामान्य रहने पर कमर दर्द से छुटकारा भी जल्दी मिलता है।

चहलकदमी करें

यह सच है कि कमर दर्द होने की स्थिति में चहलकदमी करना किसी बड़ी चुनौती जैसा है। आम व्यक्ति कमर दर्द में चलने की सोचता भी नहीं है।

यदि आप कमर दर्द से आराम चाहती हैं, तो आपको यह करना पड़ेगा। वा ॅकिंग एक किस्म की एक्सरसाइज है। यदि आपकी ना ॅर्मल डिलीवरी हुई है, तो आप कुछ दिनों में ही वा ॅकिंग शुरू कर सकती हैं। यदि सी-सेक्शन हुआ है, तो कुछ सप्ताह के गैप के बाद वाकिंग शुरू करें।

वाकिंग करना यदि पसंद न हो तो किसी एक्सपर्ट की मदद से योगा कर सकती हैं।

Bird Flu को हल्के में लेना पड़ सकता है भारी, जानें H5N1 से जुड़े खास सवाल

संजय शर्मा

कोरोना वायरस महामारी के बीच अब देश में बर्ड फ्लू ने भी अब देश में दस्तक दे दी है। जिसे लेकर अब लोगों में चिंता बढ़ती जा रही है। हाल ही में केंद्र सरकार ने भी बर्ड फ्लू को लेकर तमाम राज्य सरकारों को सतर्क किया है और इससे बचाव के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। मध्यप्रदेश, राजस्थान, केरल और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में तो बर्ड फ्लू की पुष्टी भी चुकी है। हालांकि, अभी तक इससे प्रभावित मरीजों की पुष्टी नहीं हुई है।

विशेषज्ञों ने विदेशी पक्षियों के आने के साथ ही बर्ड फ्लू के जल्द ही फैलने की आशंका जताई जा चुकी है। ऐसे में हर कोई इससे बचाव के तरीके ढूंढ रहा है। बर्ड फ्लू की लोगों के मन में तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। जैसे बर्ड फ्लू फैलने का कारण, इसके लक्षण क्या हैं और इस वायरस से बचाव के उपाय। आज के इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे ही जरूरी सवालों के जवाब देंगे-

क्या कोविड-19 और बर्ड फ्लू दोनों एक तरह से फैलते हैं..?

देश में इस समय कोरोना का संक्रमण फैला हुआ और ऐसे में बर्ड फ्लू वायरस की मार दोहरा संकट पैदा कर रही है। अगर विशेषज्ञों की राय मानें तो बर्ड फ्लू का एविएन इंफ्ल्यूएंजा भी कोविड की तरह कई समानता रखता है। इसमें में अपने वायरस को म्यूटेट करने की क्षमता होती है जिससे कई नए रूप में यह मानव शरीर को संक्रमित करता है। इस वयारस के म्यूटेशन से पनपा H7N9 वायरस अभी तक सबसे घातक साबित हुआ है।

क्या बर्ड फ्लू के लिए कोई वैक्सीन है..?

H5N1 को रोकने के लिए कई टीके भी विकसित किए गए, लेकिन इनके व्यापक रूप से प्रभावी होने के अभी तक कोई भी प्रमाण नहीं मिले हैं। इसलिए हमारी सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। कैसे फैलता है बर्ड फ्लू? H5N1 के लगभग सभी केस वायरस से संक्रमित जीवित या मृत पक्षियों के संपर्क में आने से होता है। इसके अलावा बर्ड फ्लू से दूषित वातावरण के संपर्क में आने से भी बर्ड फ्लू का खतरा बना रहता है। हालांकि, यह आसानी से मनुष्यों को संक्रमित नहीं करता, लेकिन इससे सतर्क रहने की काफी जरूरत है क्योंकि यह वायरस काफी खतरनाक और जानलेवा होता है।

बर्ड फ्लू या एविएन फ्लू क्या है?

बर्ड फ्लू एक तरह का इन्फ्लूएंजा वायरस है। जिसके फैलने की सबसे बड़ी वजह है पक्षी। आमतौर पर यह वायरस एक पक्षी से दूसरे पक्षी में फैलता है, जो कि काफी खतरनाक और जानलेवा होता है। इससे होने वाली परेशानियों में सबसे बड़ी परेशानी सांस लेने में दिक्कत का होना है। इसके कई स्ट्रेन होते हैं। लेकिन, H5N1 सबसे ज्यादा खतरनाक होता है। गंभीर बात यह है कि इससे होने वाली मृत्यु दर 60 प्रतिशत है।

बर्ड फ्लू का इलाज कैसे होता है?

ज्यादातर मामलों में देखा जाए तो मनुष्यों में बर्ड फ्लू एक गंभीर समस्या बनकर उभरता है, जिसका इलाज किसी भी हालत में घर में संभव नहीं है। बर्ड फ्लू होने पर अस्पताल में तुरंत इसका इलाज कराना बेहद जरूरी है। अधिकतम मामलों में आईसीयू की जरूरत होती है। क्योंकि, व्यक्ति को सांस लेने में तकलीफ होने लगती है। बर्ड फ्लू के इलाज में आमतौर पर एंटीवायरल ओसेल्टामिविर का इस्तेमाल होता है। बर्ड फ्लू के लक्षण

बर्ड फ्लू से सतर्क रहने और समय पर इसका इलाज लेने के लिए सबसे जरूरी है कि समय पर इसके लक्षण का आप पता लगा लें। बुखार आना, बैचेनी होना, शरीर में दर्द होना, सर्दी और गले में खराश होने जैसी समस्याएं बर्ड फ्लू के शुरुआती लक्षणों में से एक हैं। कई बार पेट में दर्द की समस्या, सीने में दर्द और पेट संबंधी समस्याएं जैसे दस्त की समस्या भी हो सकती है। अगर आपको कुछ ऐसी समस्याएं समझ आती हैं तो अपना टेस्ट जरूर कराएं। गंभीर लक्षणों में सांस लेने में तकलीफ और निमोनिया जैसी समस्या के पीछे का कारण बर्ड फ्लू हो सकता है।

क्या चिकन, पोल्ट्री प्रोडक्ट खाना सेफ है?

अगर पोल्ट्री प्रेडक्ट्स और चिकन को अच्छे से साफ करके पकाया गया है तो यह खाना सेफ है। क्योंकि, हीट में यह वायरस कमजोर पड़ जाता है और काफी हद तक खत्म हो जाता है। आप अपने मीट या अन्य पोल्ट्री प्रोडक्ट्स को कम से कम 70 डिग्री सेल्सियस की आंच पर जरूर पकाएं। हीट वायरस को मारने में कारगर होता है। वहीं डबल्यूएचओ के अनुसार, पोल्ट्री प्रोडक्ट्स को पकाते समय हाईजीन का ख्याल रखना भी काफी जरूरी है। इससे H5N1 के संपर्क में आने का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

सर्दी के मौसम में बच्चे को जरूर खिलाएं ये फल, कोरोना जैसे वायरस छू भी नहीं पाएंगे

सर्दी के मौसम में बच्चों को खासकर सही खानपान देना बहुत जरूरी है ताकि उनका शरीर गर्म रहे। इसके लिए सूप या गर्म तासीर की चीजें देती हैं। इसके साथ ही आप बच्चों की डाइट में कुछ खास फल शामिल कर सकती हैं। आमतौर पर महिलाएं सर्दी के मौसम में बच्चों को फल कम खिलाती हैं जबकि सर्दियों में भी बच्चों को फल खिलाने चाहिए। यहां हम आपको कुछ ऐसे फलों के बारे में बता रहे हैं जो ठंड के मौसम में बच्चों को जरूर खिलाने चाहिए।

इम्यूनिटी के लिए जरूरी हैं फल

बच्चों की इम्यूनिटी के लिए फल जरूरी हैं। इसके साथ ही यह जानना भी आवश्यक है कि फल खाने का सही समय क्या है, फल कब खिलाने चाहिए और कैसे खिलाने चाहिए। अगर आप सही नियमों के अनुसार बच्चे को फल खिलाएंगी तो यकीनन कोरोना वायरस जैसी बीमारी बच्चे को छू भी नहीं पाएगी।

संतरा

मांएं सोचती हैं कि सर्दियों के मौसम में संतरा खाना सही नहीं होता है। इससे बच्चे को ठंड लग सकती है, जबकि ऐसा नहीं है। सर्दी के मौसम में बच्चों को संतरा देना जरूरी है।

हां, संतरा या कोई भी खट्टा फल शाम या रात के समय देना नुकसानदायक होता है। इसलिए दिन के समय छत पर बैठकर या बालकनी की धूप में बैठकर बच्चे को संतरा खिलाएं।

बच्चे को रोजाना एक संतरा जरूर दें। अगर बच्चे की उम्र 9 माह से कम है, तो उसे संतरे का जूस बनाकर दें। जूस की मात्रा कम रख सकती हैं।

9 माह से ज्यादा उम्र के बच्चे को संतरे के बीज और छिलका निकालकर दें। जहां तक बच्चों के लिए संतरे के फायदों की बात है, तो यह स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है।

इसमें विटामिन सी, ई और का पर पाया जाता है। ये सभी पोषक तत्व बच्चों के लिए लाभकारी हैं। इससे बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इस कारण बच्चा सर्दी-जुकाम और खांसी जैसी बीमारियों से बचा रहता है।

दवा हैं सर्दियों में घर पर ही बनाए जा सकने वाले लड्डू, जानिए इनमें छुपे सेहत के राज

सर्दियों में लोग अपनी डाइट में उन चीजों को शामिल करना पसंद करते हैं जो उनके शरीर को गर्माहट देने के साथ ही कमजोरी को भी दूर करने का काम करती हैं।

जिनमें तरह-तरह के लड्डू भी शामिल हैं। तो हम आपको बताते हैं ऐसे ही कुछ लड्डुओं और उनके बेहतरीन फायदों के बारे में, जो खाने में जायकेदार तो होते ही हैं और सर्दियों में हमें सेहतमंद भी रखते हैं।एनर्जी बूस्टर और डिटॉक्सिफायर हैं तिल के लड्डू: गुड़ और घी से बनाए जाने वाले इन लड्डुओं की तासीर गर्म होने के कारण ठंड में इसे खाना काफी फायदेमंद होता है। एनर्जी से भरपूर होने के कारण ये लड्डू बॉडी को एनर्जी देते हैं। इसे खाने से डिप्रेशन और टेंशन से निजात पाने में भी मदद मिलती है। तिल, लंग्स और बॉडी को डिटॉक्सिफाई करने का भी काम करती है। इसके लड्डू से हमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम मिलता है, जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं।

ये लड्डू भूख बढ़ाने के साथ-साथ शरीर में खून की मात्रा बढ़ाते हैं। तिल-गुड़ के लड्डू खाने से गैस, कब्ज जैसी बीमारियों में राहत मिलती है।

सर्दियों में सर्दी-जुकाम से बचने के लिए गोंद के लड्डू खाने की सलाह दी जाती है। सर्दी के मौसम में अक्सर लोगों को जोड़ों में दर्द की शिकायत होती है, इसके लिए गोंद के लड्डू खाना फायदेमंद होता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : कॅरियर के लिए यह सप्ताह अच्छा बीतने वाला है। सही दिशा में मेहनत करने से कार्यक्षेत्र में पूर्ण सफलता मिलने के योग हैं। आपके आर्थिक मसले इस सप्ताह पूरी तरह हल हो जाएंगे। यदि पैसा आने में कहीं रूकावट आ रही थी तो वह भी दूर हो जाएगी। धन के नए स्त्रोत प्राप्त होंगे।

वृषभ : व्यवसाय के लिए सप्ताह अच्छा बीतेगा। जो लोग नया कार्य प्रारंभ करने का विचार कर रहे हैं, उनके लिए सलाह है किजल्द से जल्द शुरू कर लें। इस सप्ताह आपके अच्छे व्यवहार के चलते आप पारिवारिक और सामाजिक स्थिति में लोकप्रिय होंगे। इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। पुराना निवेश लाभ देगा।

मिथुन : इस सप्ताह नौकरीपेशा लोग अपने कार्यक्षेत्र में किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल होंगे, लेकिन इसके लिए आपको अपनी टीम को साथ लेकर चलना होगा। पारिवारिक स्थिति में इस सप्ताह खुशनुमा माहौल रहेगा। आर्थिक स्थिति में बनी हुई कमजोरी कुछ हद तक दूर हो जाएगी। अविवाहितों के विवाह की बात बन सकती है।

कर्क : आर्थिक स्थिति में सुधार आने वाला है। कारोबारी लोग अपने काम को विस्तार देंगे। बिजनेस को बढ़ाने के लिए काफी समय से यदि आप मेहनत कर रहे हैं तो इस सप्ताह उस मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिल जाएगा। परिवार और दोस्तों का सहयोग मिलेगा। भूमि, भवन, संपत्ति संबंधी कार्यो में लाभ के योग बन रहे हैं।

सिंह : नौकरीपेशा लोग इस सप्ताह कार्यस्थल पर किसी आरोप-प्रत्यारोप का शिकार हो सकते हैं। इससे आपके कॅरियर पर बुरा असर पड़ सकता है। मानसिक परेशानियां आएंगी, लेकिन आपको आत्मविश्वास के साथ उनका सामना करना होगा। किसी दूर के रिश्तेदार से अचानक मिलना होगा। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कन्या : व्यापारियों को बिजनेस में अच्छा लाभ मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्य के सिलसिले में यात्राएं करना पड़ सकती हैं। साझेदारी में कोई काम शुरू करेंगे तो आपको लाभ की स्थिति बनेगी। इस सप्ताह अविवाहित लोगों के विवाह की बात बन सकती है। धन संबंधी मामलों के लिए समय अच्छा है।

तुला : कॅरियर में उतार-चढ़ाव के बावजूद यह सप्ताह अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में जितनी अधिक मेहनत करेंगे, उतना लाभ मिलेगा। इस सप्ताह उच्चाधिकारियों के साथ आपकी काफी अच्छी बनने वाली है। किसी महत्वपूर्ण कार्य और निर्णय में परिवार के लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक : यह सप्ताह मिला-जुला रहेगा। कुछ कार्य अच्छे होंगे तो कुछ अटक भी सकते हैं। बिजनेस में नए प्रयोग करने से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। अपने मित्रों के साथ संबंधों में खटास आ सकती है। परिवार में भाई-बंधुओं के साथ संबंध बिगड़ सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा किआप विवादित स्थितियों से खुद को दूर रखने का प्रयास करें।

धनु : इस सप्ताह कोई सम्मान प्राप्त हो सकता है। रचनात्मक कार्यो से जुड़े लोगों के लिए वक्त बेहतर है। लेखन, साहित्य, आर्ट-कल्चर से जुड़े लोगों को कोई बड़ा प्रोजेक्ट, अनुबंध मिल सकता है। इस सप्ताह परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को सराहा जाएगा। धन लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं।

मकर : फिल्म, मॉडलिंग, फैशन इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को कोई बड़ी उपलब्धि हाथ लग सकती है। इस सप्ताह आपके मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के संकेत हैं। आर्थिक प्रगति की राह पर आगे बढ़ेंगे। नई भूमि, भवन, वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं। नया कार्य प्रारंभ करना चाहते हैं तो जरूर करें।

कुंभ : कार्यक्षेत्र में अधीनस्थों के साथ मिलकर आगे बढ़ना है। इस सप्ताह आपको व्यवहार संतुलित रखना है। सभी के साथ समान भाव से व्यवहार करेंगे तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक पाएगा। इस सप्ताह आपके प्रभाव क्षेत्र में भी वृद्धि होने वाली है। धन संबंधी मामलों के लिए समय अनुकूल है। प्रॉपटी में निवेश लाभ का सौदा साबित होगा।

मीन : कॅरियर के लिए समय अच्छा चल रहा है। कार्यक्षेत्र में आपके कार्य को सराहना मिलेगी। उच्चाधिकारियों से संबंध मधुर बनेंगे। अधीनस्थों को साथ लेकर चलना होगा। कारोबारी लोग कार्य विस्तार करेंगे। प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन के लिए वक्त अच्छा है। रिश्तों में आई पुरानी खटास दूर होगी।

पत्नी कैसी होनी चाहिये ?
इस विषय पर मास्टर जी ने दो घंटे का लेक्चर दिया
सोनू ने पूरा लेक्चर मोबाइल में रिकॉर्ड करके उनकी पत्नी को भेज दिया
अब कल शायद सोनू के स्कूल की छुट्टी रहेगी

गोलू- यार ये साली और घरवाली में क्या अंतर होता हैं
पप्पू- देख साली ब्यटी है और घरवाली ड्यटी
गोलू- और कोई अंतर बता
पप्पू- साली फ्रेश केक होती है और घरवाली अर्थक्वेक

एक शराबी ने वकील से पूछा कि...
मैं शासकीय ठेके से दारू लाकर पीयू और अगर पत्नी मुझे रोके तो क्या उसे शासकीय कार्य में बाधा डालने के लिए सजा हो सकती है?
वकील ने उसे गले लगाकर कहा:
ऐसे आईडीया तुम्हारे पास आते कहां से हे..

ड्रैगन ने फिर चली चाल, भारत की सीमा में घुसा एक चीनी सैनिक, हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली, पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर चीन उकसावे वाली हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। आठ महीने से जारी सैन्य तनाव के बीच शुक्रवार को चीन का एक सैनिक भारतीय सीमा में घुस गया। वो पैंगोंग झील के दक्षिणी किनारे वाले इलाके में घुसा जिसे भारतीय सैनिकों ने हिरासत में ले लिया।

रेजांग ला एरिया में धराया चीनी सैनिक बताया जा रहा है की चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) का एक सैनिक एलएसी को लांघकर भारतीय सीमा में पहुंच गया, लेकिन वहां तैनात भारतीय सैन्य टुकड़ी ने उसे दबोच लिया। सूत्रों ने बताया कि चीनी सैनिक को रेजांग ला एरिया से पकड़ा गया है। फिलहाल, हिरासत में लिए गए चीनी सैनिक के साथ बॉर्डर मैनेजमेंट संबंधी प्रक्रियाओं के मुताबिक निपटा जा रहा है और इस बात की जांच की जा रही है कि आखिर किन परिस्थितियों में वह भारतीय सीमा में घुसा था। उधर, इस सैनिक के हिरासत में होने की खबर पीएलए को दे दी गई है

15 जून को भारतीय सैनिकों पर धोखे से हुआ था हमला

ध्यान रहे कि एलएसी के दोनों तरफ भारी संख्या में सैनिकों की तैनाती लंबे समय से बरकरार है। अप्रैल महीने में ही कुछ चीनी सैनिकों ने भारतीय सीमा में अतिक्रमण करने की कोशिश की थी जिसका भारत की तरफ से करारा जवाब दिया गया। बाद में 15 जून को गलवान घाटी में चीनी सैनिकों ने धोखे से भारतीय सैनिकों पर गैर-परंपरागत हथियारों से हमला कर दिया जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे जबकि करीब दोगुने तादाद में चीनी सैनिक भी मारे गए।

बेनतीजा रह रही है सैन्य स्तर पर बातचीत

सीमा पर जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए भारत और चीन के बीच सैन्य कमांडर लेवल की कई दौर की बातचीत हो चुकी है। चीन चाहता है कि पहले भारत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण उन चोटियों से पीछे हट जाए जिनपर दिसंबर महीने में उसका कब्जा हुआ था। वहीं, भारत एलएसी पर अप्रैल 2020 से पहले की यथास्थिति बहाल करने की मांग कर रहा है।

कार में छिपाए 35 पिस्तौल और 60 कारतूस के साथ तस्कर अरेस्ट, कहानी एकदम फिल्मी है

नई दिल्ली, दिल्ली पुलिस ने 35 पिस्तौल और 60 कारतूस के साथ स्पेशल सेल ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है। ये हथियार चोरी की कार में छिपाए गए थे। आरोपी मध्यप्रदेश से दिल्ली के पीतमपुरा कार लेकर पहुंचा था। यहां पुलिस ने उसे धर दबोचा। उसकी कार के दरवाजों और डिग्गी में रखी स्टेपनी में पिस्तौल और कारतूस भरे थे। जिस कार में यह अवैध हथियार ला रहा था। वह कार भी दिल्ली के पांडव नगर इलाके से चोरी की गई थी। डीसीपी संजीव यादव ने बताया कि गिरफ्तार शख्स का नाम आशीष कुमार पांडे है। 24 साल का आशीष इलाहाबाद जिले का रहने वाला है। वह पिछले करीब दो सालों से दिल्ली और एनसीआर के बदमाशों को अवैध हथियारों की सप्लाई कर रहा था। इसे गुरुवार देर रात जैन मंदिर मार्ग, पीतमपुरा से पकड़ा गया। जुर्म के पीछे की बताई ये वजह पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मध्यपदेश के खरगौन, धार, बड़वानी, बुराहनपुर से इस तरह से अवैध हथियार दिल्ली और एनसीआर में लाकर बेचे जा रहे हैं। उसने बताया कि यह अवैध हथियार वह मध्यप्रदेश के बड़वानी में रहने वाले प्रह्लाद उर्फ जग्गू से लेकर दिल्ली आया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए अवैध हथियारों के इस धंधे में लग गया।

प्रवासी भारतीय दिवस पर बोले पीएम मोदी- दो कोरोना वैक्सीन से मानवता की सेवा में भारत सबसे आगे

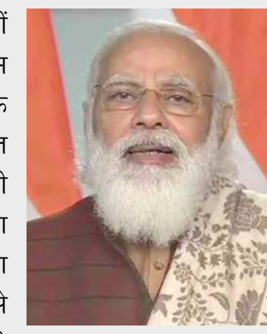

नई दिल्ली, इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत ने दो कोरोना वैक्सीन के जरिए कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में एक मजबूत किला फतह किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी देश में कोरोना वैक्सीन के इजाद पर खुशी का इजहार कर रहे हैं। उन्होंने इसे मौजूदा माहौल में मानवता की सेवा का सबसे बड़ा माध्यम करार दिया है। पीएम ने प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 2021 को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपने दो देसी कोरोना वैक्सीन से मानवता की सेवा करने में सबसे आगे है। भारत में कोवैक्सीन और कोवीशील्ड (Covaxin and Covishield) को सीमित आपातकालीन उपयोग की मंजूरी दी गई है। कोवैक्सीन और कोवीशील्ड हैं मेड इन इंडिया वैक्सीन

कौवैक्सीन को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) की मदद से भारत बायोटेक (Bharat Biotech) ने जबकि कोवीशील्ड को ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी (Oxford University) की मदद से ब्रिटिश/स्वीडिश कंपनी एस्ट्राजेनेका (Astrazeneca) ने विकसित किया है। हालांकि, कोवीशील्ड का उत्पादन भी भारत में ही हो रहा है। महाराष्ट्र के पुणे स्थित दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन निर्माता कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (SII) ने कोवीशील्ड के प्रॉडक्शन का करार किया है।

सर्वे के बहाने 10 साल के मासूम को घर से उठा ले गईं 2 युवतियां, अब हुआ आजाद

मेरठ, मेरठ में अगवा हुए 10 साल के मासूम को पुलिस ने आजाद करा लिया है। शुक्रवार की दोपहर टीपी नगर थाना क्षेत्र में खुद को स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी बताने वाली दो युवतियों ने घर के बाहर खेल रहे मासूम का अपहरण कर लिया। घटना के बाद हड़कंप मच गया। बच्चे की तलाश में कई पुलिस टीमों को लगाया गया। आखिरकार 24 घंटे के अंदर पुलिस ने बच्चे को बरामद कर लिया। बच्चे को अगवा कर अपने साथ ले जा रगीं दोनों युवतियों की तस्वीर इलाके के एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। इसके बाद पुलिस सरगर्मी से बच्चे की तलाश करने लगी।

शनिवार को पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित छुड़ा लिया। दरअसल, देवलोक कॉलोनी निवासी निक्की ई-रिक्शा चालक हैं। वहीं, उसकी पत्नी मालती भी घरों में काम करती हैं। बताया जाता है शुक्रवार को दंपती अपने अपने-अपने काम पर गए थे। इस दौरान उनका 10 साल का बेटा प्रिंस और आठ साल की बेटी प्रीति घर पर अकेले थे।

स्वास्थ्य कर्मचारी बताकर कर रही थीं सर्वे जानकारी के अनुसार दोपहर करीब दो बजे 20 से 25 वर्ष की दो युवतियां कॉलोनी में पहुंचीं। युवतियों ने खुद को स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी बताते हुए इलाके का सर्वे शुरू कर दिया। इसके बाद घर-घर जाकर क्षेत्रवासियों से उनके परिवार के सदस्यों के विषय में जानकारी करने लगीं। इस दौरान मासूम प्रिंस अपने घर के बाहर खेल रहा था। तभी दोनों युवतियों ने प्रिंस को अपनी बातों में उलझाया और उसे अपने साथ ले गईं। लगभग दो घंटे बाद दंपती की छोटी बेटी प्रीति ने पड़ोसियों से अपने भाई के गुम होने की शिकायत की तो क्षेत्र में खलबली मच गई। इसके बाद पड़ोस के लोगों ने निक्की और मालती को फोन पर घटना की जानकारी दी।

एक किलोमीटर तक के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई घटना

घटना की जानकारी के बाद बच्चे के परिवार वालों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में घर पहुंचे दंपती ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद टीपी नगर एसओ विजय कुमार गुप्ता मौके पर पहुंचे। पुलिस ने निक्की के घर से लेकर एक किलोमीटर तक के दायरे में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज निकलवाई। इसमें मासूम प्रिंस दोनों युवतियों के साथ सड़क पर पैदल जाता दिखाई दिया। थाना प्रभारी विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि बच्चे के पिता ने दोनों अज्ञात युवतियों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी युवतियों की तलाश में जुटी है।

इतिहास रचने जा रही है भारतीय महिलाएं

पहली बार नॉर्थ पोल के ऊपर से उड़ान भरेगी सिर्फ महिला पायलटों की टीम

एयर इंडिया की महिला पायलटों की टीम (All-women piolet team) उत्तरी ध्रुव (North Pole) के ऊपर से दुनिया के सबसे लंबे हवाई मार्ग पर उड़ान भरेंगी। ये महिलाएं अमेरिका के सैन फ्रैंसिस्को से 16,000 किमी की दूरी तय करते हुए 9 जनवरी को बेंगलुरु पहुंचेंगी। एयरलाइन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एअर इंडिया का विमान बेंगलुरु पहुंचने के लिए उत्तर ध्रुव के ऊपर से होता हुआ अंटलांटिक मार्ग पकड़ेगा।

इस तरह इतिहास बनाएंगी भारतीय महिलाएं

एविएशन एक्सपर्ट्स के मुताबिक, नॉर्थ पोल से ऊपर से उड़ान भरना अत्यंत टेक्निकल है और इसके लिए दक्षता के साथ-साथ अनुभव की जरूरत पड़ती है।

हालांकि, एयर इंडिया के पायलट्स ने पहले भी पोलर रूट से उड़ान भरी है, लेकिन ऐसा पहली बार है जब सिर्फ महिला पायलटों की टीम नॉर्थ पोल से उड़ान भरेगी। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने बताया, "नॉर्थ पोल के ऊपर से उड़ान भरना काफी चुनौतीपूर्ण है, इसलिए एयरलाइन कंपनियां इस रूट पर अपने सर्वोत्तम और अनुभवी पायलटों को भेजती हैं। इस बार एयर इंडिया ने यह जिम्मेदारी महिला कैप्टन को दी है जो पोलर रूट से सैन फ्रैंसिस्को से बेंगलुरु पहुंचेंगी।"

सैन फ्रैंसिस्को से बेंगलुरु की उड़ान

उद्घाटन विमान (Inaugural Flight) एएल 176 अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से शनिवार को स्थानीय समयानुसार रात 8.30 बजे उड़ान भर चुका है। यह सोमवार तड़के 3.45 बजे (स्थानीय समयानुसार) कैंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरेगा।

फ्लाइंग कमांडर होंगी कैप्टन जोया अगरवाल

एयर इंडिया की कैप्टन जोया अगरवाल फ्लाइट को कमांड करेंगी। उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा, "दुनियाभर में ज्यादातर लोग अपनी जिंदगी में नॉर्थ पोल या इसका नक्शा भी नहीं देख पाएंगे। मैं सच में खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय और हमारे फ्लैग कैरियर ने मुझ पर भरोसा जताया।

नॉर्थ पोल के ऊपर से सैन फ्रैंसिस्को से बेंगलुरु तक दुनिया की सबसे लंबी और बोइंग 777 से पहली उड़ान को कमांड करने वाकई सुनहरा अवसर है।"

नागरिक उड्डयन मंत्री का ट्वीट

पुरी ने ट्वीट किया,"कैप्टन जोया अगरवाल, कैप्टन पी थानमाई, कैप्टन आकांक्षा सोनावरे और कैप्टन शिवानी मन्हास का केवल महिला पर आधारित कॉकपिट चालक दल बेंगलुरु और सैन फ्रांसिस्कों के बीच ऐतिहासिक उद्घाटन उड़ान का संचालन करेगा।" सैन फ्रांसिस्को और बेंगलुरु के बीच हवाई दूरी दुनिया में सबसे अधिक है। पुरी ने कहा, "एयर इंडिया की महिला शक्ति दुनियाभर में परचम लहरा रही है।"

जोया ने 2013 में बोइंग 777 उड़ाकर सबसे कम उम्र की महिला पायलट होने का गौरव हासिल किया था। अब उनके नाम एक और उपलब्धि जुड़ने वाली है।

वो अब एयर इंडिया की पहली महिला कमांडर बनने वाली हैं जो नॉर्थ पोल के ऊपर की उड़ान को कमांड करेंगी। उन्होंने कहा, "मैं बोइंग 777 को उड़ाने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की महिला कमांडर हूं। महिलाओं में आत्मविश्वास होना चाहिए। अगर उनपर कोई सामाजिक दबाव आए तो उन्हें किसी भी काम को असंभव नहीं समझना चाहिए।"

हॉलिवुड के स्टूडियो की झलक भी दिखेगी यूपी की फिल्म सिटी में, यमुना अथॉरिटी और अमेरिकी कंपनी के बीच हुआ करार

ग्रेटर नोएडा, यूपी सरकार के ड्रीम प्रॉजेक्ट नोएडा फिल्म सिटी की डीपीआर बनाने के लिए हॉलिवुड की जानी-मानी अमेरिकन कंपनी सीबीआरई व यमुना अथॉरिटी के बीच शुक्रवार को करार हुआ। करार कंपनी की उस रिपोर्ट को पसंद करने के बाद हुआ जो उन्होंने हॉलिवुड के कई मशहूर स्टूडियो की स्टडी करने के बाद सब्मिट किया था। इससे साफ है कि फिल्म सिटी में हॉलिवुड के स्टूडियो की भी झलक दिखेगी। डीपीआर से पहले यह कंपनी एक ड्राफ्ट बनाकर अथॉरिटी को फरवरी मध्य तक प्रस्तुत करेगी। प्रदेश सरकार की तरफ से ड्राफ्ट को मंजूरी मिलने के बाद अमेरिकन कंपनी डीपीआर बनाएगी। बोर्ड की बैठक में लगी मुहर दरअसल प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा में फिल्म सिटी बनाने की घोषणा की है। इसके चलते यमुना अथॉरिटी ने बोर्ड की 68वीं बैठक में इस योजना पर मुहर लगाने के साथ फिजिबिलिटी रिपोर्ट बनाने का निर्देश दिया था। सेक्टर 21 में 1000 एकड़ में बनने वाली इस फिल्म सिटी का डीपीआर बनाने के लिए जिन कंपनियों ने फिजिबिलिटी रिपोर्ट दी थी, उसमें अमेरिका की सीबीआरई कंपनी की रिपोर्ट मंजूर होने के साथ डीपीआर बनाने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ। यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉक्टर अरुणवीर सिंह की मौजूदगी सीबीआरई कंपनी की ओर से इस एमओयू पर भारत में इसके निदेशक वैभव चौधरी और अथॉरिटी की तरफ से जीएम योजना रितुराज व्यास ने हस्ताक्षर किया। कंपनी की रिपोर्ट में था यह सब कुछ अमेरिकन कंपनी ने फिल्म सिटी के लिए अपनी फिजिबिलिटी रिपोर्ट में हॉलिवुड के यूनिवर्सल पिक्चर्स में फिल्म स्टूडियो और थीम पार्क के साथ, 20वीं सेंचुरी फॉक्स, वार्नर ब्रदर्स पिक्चर्स, वॉल्ट डिज्नी पिक्चर्स की स्टडी की। साथ में ही दक्षिण भारत के रामोजी राव फिल्म सिटी के साथ मुंबई में बॉलिवुड के फिल्म स्टूडियो में मौजूद सुविधाएं, सहूलियत के साथ तकनीक को देखते हुए भविष्य में देश की सबसे बड़े फिल्म सिटी के रूप में नोएडा फिल्म सिटी को विकसित करने की बातें रिपोर्ट में थी। इस रिपोर्ट में देश के सभी राज्यों के साथ क्षेत्रीय भाषा व संस्कृति के साथ एक परिसर के अंदर कैसे सहूलियत दी जाएंगी, ये भी था। इस रिपोर्ट को देखने के बाद डीपीआर बनाने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ।

पूर्व फौजी की गिरफ्तारी पर गांव में पसरा सन्नाटा, लोग बोले- यकीन नहीं होता कि सौरभ देश विरोधी गतिविधि में शामिल हो सकता है

हापुड़, यूपी के हापुड़ से पाकिस्तान और दूसरे देशों को गोपनीय जानकारी भेजने के आरोप में पूर्व फौजी की गिरफ्तारी से हड़कंप मचा हुआ है। गांव में कोई भी इस बात को मानने को तैयार नहीं है कि कल तक उन्हें जिस पर फक्र था वह संदिग्ध गतिविधियों में शामिल हो सकता है। एटीएस ने गुरुवार को पूर्व फौजी सौरभ शर्मा को अरेस्ट कर लिया है।

बहादुरगढ़ के गांव बिहुनी के लोगों को जिस जवान की वजह से गर्व महसूस होता था, अचानक उसके आतंकी गतिविधियों में शामिल होने की सूचना से सब हैरान हैं। गांव प्रधान से लेकर ग्रामीणों का आरोपी सौरभ के घर पर तांता लग गया। गांव में इस खबर से सन्नाटा पसरा हुआ है, लोगों को अब भी इस बात पर विश्वास नहीं हो रहा कि सौरभ ऐसा कर सकता है। आरोपी की मां ने बताया कि उसकी नौकरी के लिए हमने अपनी जमीन तक बेच दी थी।

गांव वाले बोले- पूरा परिवार भला है

किडनी खराब होने के चलते 16 मई 2020 को वह नौकरी छोड़कर यहां आ गया था। दिसंबर में भी ऐसे ही कुछ लोग उसे उठाकर ले गए थे। पता नहीं हमें क्यों परेशान किया जा रहा है। वहीं गांव वालों का कहना है कि पूरा परिवार काफी भला और सीधा-साधा है। उन्हें भरोसा नहीं हो रहा है कि सौरभ देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हो सकता है। गांव प्रधान भीष्म त्यागी ने बताया कि सौरभ के परिवार को हम लोग बहुत समय से जानते हैं। पूरा परिवार ही काफी शरीफ है।

हापुड़ पुलिस को मामले की जानकारी नहीं एटीएस की टीम ने गुरुवार शाम जनपद में छापेमारी कर पाकिस्तान और अन्य देशों को गोपनीय सूचनाएं भेजने के आरोप में सेना के एक पूर्व जवान को गिरफ्तार किया। एटीएस ने फौजी पास से कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद किए हैं। एएसपी सर्वेश मिश्रा ने बताया कि एटीएस एक पूर्व फौजी को उठाकर ले गई है, लेकिन हापुड़ पुलिस से इस केस के संबंध में कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। वहीं एडीजीपी (लॉ एंड ऑर्डर) प्रशांत कुमार ने ट्वीट करके बताया कि पकड़ा गया पूर्व जवान सौरभ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और अन्य देशों से यहां की गोपनीय जानकारी साझा करता था, उसने अपना गुनाह स्वीकार कर लिया है। उसे गिरफ्तार किया गया है। थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र के गांव बिहुनी निवासी सौरभ शर्मा (35) 2013 में भारतीय सेना में भर्ती हुआ था।

वैक्सीन पर दबाव में ब्राजील के राष्ट्रपति

रियो डि जनेरो, ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया है कि AstraZeneca की COVID-19 वैक्सीन जल्दी भेजी जाए। वैक्सीन के शिपमेंट में देरी के बाद उन्होंने एक खत लिखा है। बोल्सोनारो सरकार पर वैक्सिनेशन शुरू करने का दबाव बढ़ता जा रहा है। आलोचकों का कहना है कि क्षेत्रीय साथियों से देश पीछे चल रहा है और इसलिए सरकार से सवाल किया जा रहा है कि आखिर देरी क्यों हो रही है। 'जल्द वैक्सीन भेजने की उम्मीद' बोल्सोनारो ने अपने खत में लिखा है, 'बिना भारत के वैक्सिनेशन प्रोग्राम को खतरे में डाले ब्राजील के नैशनल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम को तेजी से लागू करने के लिए 20 लाख खुराकों की सप्लाई की हम उम्मीद करते हैं।' दरअसल, हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि सरकारी Fiocruz मेडिकल सेंटर के मुताबिक वैक्सीन को तैयार करने का जरूरी सामान (active ingredients) इस महीने के आखिर तक नहीं आ सकेगा।

करनाल में बवाल के बाद CM खट्टर का महापंचायत रद्द, पुलिस ने किसानों पर किया लाठीचार्ज, आंसू गैसे के गोले भी छोड़े

हरियाणा के करनाल में प्रदर्शनकारी किसानों और पुलिस के बीच भिड़ंत के बीच मचे बवाल के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का किसान महापंचायत कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है। करनाल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के कार्यक्रम का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारी किसानों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था, वाटर कैनन का इस्तेमाल किया था। इतना ही नहीं, प्रदर्शनकारी किसानों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े हैं। मुख्यमंत्री के जहां लैंड करने वाले थे, उसके हेलीपैड को नुकसान पहुंचाया गया, कार्यक्रम स्थल पर तोड़फोड़ की भी सूचना है। दरअसल, करनाल जिले के कैमला गांव में मनोहर लाल खट्टर किसान महापंचायत को संबोधित करने वाले थे, जहां कृषि कानूनों का फायदा बताने के लिए भाजपा ने आयोजित करवाया था, उसके विरोध के लिए किसान गांव की ओर कूच कर रहे थे, तभी पुलिस ने यह कार्रवाई की। मुख्यमंत्री के दौरे से पहले ही प्रदर्शनकारी किसानों और पुलिस में भिड़ंत हो गई। इतना ही नहीं, कृषि कानूनों के समर्थक किसान और प्रदर्शनकारी किसान भी भिड़ गए। मुख्यमंत्री के दौरे के लिए पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे, जहां वह किसानों से कृषि कानूनों के फायदे के ऊपर बात करने वाले थे। हालांकि, प्रदर्शनकारी किसानों ने पहले ही 'किसान महापंचायत' का विरोध करने की घोषणा की थी। कैमला गांव की ओर मार्च करने के दौरान किसान भाजपा की अगुवाई वाली सरकार के खिलाफ काले झंडे लेकर नारेबाजी कर रहे थे। किसानों को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने से रोकने के लिए पुलिस ने गांव के प्रवेश बिंदुओं पर बैरिकेड्स लगा दिए हैं।

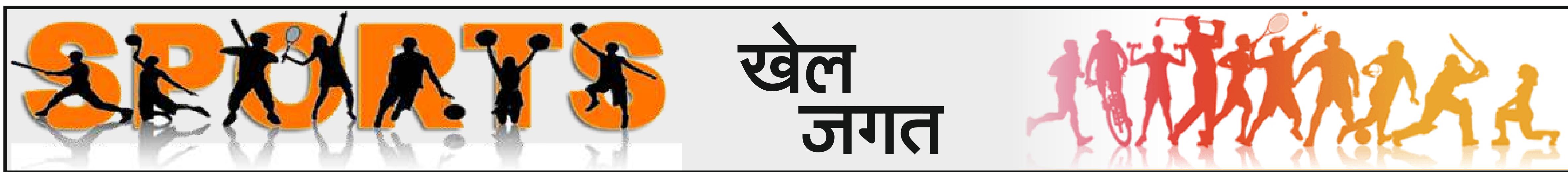

टीम इंडिया के लिए बुरी खबर, आखिरी टेस्ट मैच से बाहर हो सकते हैं रविन्द्र जडेजा

ऑस्ट्रेलिया के अभी तक के दौरे पर अपनी छाप छोड़ने वाले भारतीय ऑलराउंडर खिलाड़ी रवींद्र जडेजा बाएं हाथ के अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण सिडनी में शेष तीसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं जिससे भारत की परेशानी बढ़ गयी है। जडेजा के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को मैच के तीसरे दिन शनिवार को बल्लेबाजी करने के दौरान चोट लग गयी है। जडेजा का अब चौथे टेस्ट में खेलना भी संदिग्ध हो गया है। जडेजा को जहां बल्लेबाजी करते हुए मिशेल स्टार्क की बाउंसर बाएं हाथ के अंगूठे में जा लगा। वहीं पंत को भी पैट कमिंस की गेंद सीधा उनके बाएं हाथ की कोहनी पर जा लगी जिसके बाद वह काफी दर्द में भी दिखे। उन्होंने हालांकि स्प्रे और पट्टी लगाने के बाद पूरी बल्लेबाजी की लेकिन गेंद लगने के कारण उनकी एकाग्रता भंग हो गई और वह उसके बाद जल्द ही आउट हो गए। चोटिल होने के कारण दोनों खिलाड़ी तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के दौरान मैदान पर नहीं आ सके। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के चार विकेट लेने वाले और एक रन आउट करने वाले जडेजा ने तीसरे दिन एक भी गेंद नहीं डाली। जडेजा को स्कैन के लिए ले जाया गया और वह वापस मैदान में नहीं लौटे। जडेजा अब दो से तीन सप्ताह तक मैदान से बाहर रहेंगे। जडेजा इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में हेलमेट पर गेंद लगने के बाद टी20 सीरीज से बाहर हो गए थे।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में पंत की जगह ऋद्धिमान साहा ने विकेटकीपिंग की। पंत की चोट उतनी गंभीर नहीं है और जरूरत पड़ने पर वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर सकते हैं। पंत ने 2018-19 के पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी में हुए मुकाबले में शानदार शतक भी लगाया था और इस बार भी वह अच्छा खेल रहे थे लेकिन गेंद लगने के बाद वह ज्यादा देर बल्लेबाजी नहीं कर सके। भारतीय टीम के नियमित कप्तान विराट कोहली जहां पैटरनिटी लीव के लिए पहले टेस्ट मैच के बाद स्वदेश लौट चुके हैं वहीं टीम के तीन अन्य खिलाड़ी भी इस दौरान चोटिल हो कर पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। मोहम्मद शमी जहां पहले टेस्ट में बल्लेबाजी करने के दौरान हाथ पर गेंद लगने से चोटिल हो गए थे वही उमेश यादव दूसरे टेस्ट मैच में गेंदबाजी के दौरान पसलियों में खिचाव के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए थे।

लोकेश राहुल भी नेट्स में बल्लेबाजी अभ्यास करने के दौरान कलाई में चोट लगने के बाद सीरीज से बाहर हो चुके हैं जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा पूरी तरह से फिट नहीं हो पाने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज में नहीं खेल रहे हैं। इस तरह से भारत के चार खिलाड़ी पहले से ही टीम से बाहर चल रहे हैं। कोविड-19 के कारण किसी चोटिल खिलाड़ी की जगह अन्य किसी खिलाड़ी टीम में शामिल करना भी संभव नहीं है क्योंकि किसी भी खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया आने के बाद 15 दिन के लिए क्वारंटाइन में रहना पड़ेगा और भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा और अंतिम टेस्ट मैच 15 जनवरी से ब्रिसबेन में शुरू होना है।

स्लो बैटिंग को लेकर हो रही आलोचनाओं पर चेतेश्वर पुजारा ने दिया करारा जवाब, जानें क्या कहा

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी बार्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा बना हुआ है। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में दो विकेट के नुकसान पर 103 रन बना लिए थे।

क्रीज पर इस समय मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ मौजूद हैं। भारत की पहली पारी 244 रनों पर सिमट गई थी। भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अपनी धीमी बैटिंग को लेकर लगातार आलोचनाओं का शिकार हो रहे हैं। आलोचकों को जवाब देते हुए पुजारा ने कहा मुझे जिस तरह से बल्लेबाजी करने आती है मैं उसी तरीके से कर रहा हूं। दिन का खेल समाप्त होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पुजारा ने कहा, 'हम लगातार अच्छा करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन कमिंस ने शानदार गेंदबाजी की है। हम एक बैटिंग समूह के तौर पर अच्छी बल्लेबाजी करने का प्रयास कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं उनके खिलाफ चार बार आउट हो चुका हूं, उन्होंने मुझे कई बार शानदार गेंदों पर आउट किया है और यह हमें स्वीकार करना होगा।

जिस तरह से आज मैंने बैटिंग की वह आत्मविश्वास से भरी पारी थी। हम सभी को पार्टनरशिप करनी होगी। और टीम यूनीट के रूप में खेलना होगा।' पुजारा ने आज टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे धीमा अर्द्धशतक लगाया। उन्होंने 50 रन का आंकड़ा 174 गेदों का सामना करने के बाद पूरा किया। इससे पहले भी यह रिकार्ड पुजारा के ही नाम था। दो साल पहले बाॅर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज ही पुजारा ने 500 से अधिक रन बनाए थे लेकिन इस बार वो सीरीज में संघर्ष करते हुए नजर आ रहे हैं। 4 मैचों की टेस्ट सीरीज इस समय 1-1 से बरबार है।

खिलाड़ियों के साथ हुई अभद्रता पर बीसीसीआई सख्त, राजीव शुक्ला भड़के

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही बाॅर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज का तीसरा मैच सिडनी में हो रहा है। तीन दिन का खेल समाप्त होने के बाद ऑस्ट्रेलिया मजबूत स्थिति में है। सिडनी टेस्ट मैच के तीसरे दिन एक बड़ा मामला सामने आया। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह को दर्शकों ने भद्दी-भद्दी गालियां दी। जिसके बाद टीम मैनेजमेंट ने मैच रेफरी से पूरे मामले को बताते हुए शिकायत दर्ज कराई। अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने पूरे प्रकरण की आलोचना करते हुए कहा कि क्रिकेट एक जेंटलमैन गेम है और यहां इस तरह की अभद्र टिप्पणियों की कोई जगह नहीं है।

पुजारा की बैटिंग की आलोचना करते हुए एलेन बाॅर्डर ने क्या कहा

एनडीटीवी स्पोर्ट्स के अनुसार बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, 'हमनें इस पूरे मुद्दे को संज्ञान में लिया है। क्रिकेट जेंटलमैन गेम है और यहां इस तरह की अभद्र टिप्पणियों की कोई जगह नहीं है। टीम मैंनेजमेंट इस पूरे प्रकरण को बहुत संजीदगी के साथ उठा रहा है। बीसीसीआई और आईसीसी के नियम इस तरह की अभद्र टिप्पणियों के लिए बहुत सख़्त हैं।' उन्होंने कहा, 'अगर कोई इस तरह का नस्लभेदी टिप्पणी कर रहा है तो ऑस्ट्रेलियाई कोर्ट को उस पर ध्यान देना चाहिए। इस तरह के प्रकरण को रोका जाए। इस तरह की टिप्पणियों की कोई जगह नहीं है, इस तरह के मामले किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं है।'

ड्वेन ब्रावो का बयान, क्रिकेट में क्रांति ला सकता है टी-10 फॉर्मेट

ब्रिसबेन टेस्ट को लेकर पहले ही भारत और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड में बहुत सामंजस्य नहीं दिख रहा है। अब इस तरह की अभद्र टिप्पणियों के बाद ब्रिसबेन टेस्ट मैच को लेकर संशय और गहरा सकता है। फिलहाल पूरे प्रकरण की जांच हो रही है।

तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में दो विकेट के नुकसान पर 103 रन बना लिए थे। क्रीज पर इस समय मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ मौजूद हैं।

क्रैश होकर तेज धमाके के साथ समुद्र में गिरा इंडोनेशिया का विमान, सभी 62 लोगों के मारे जाने की आशंका

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद शनिवार को श्रीविजय एयर के जेट यात्री विमान दुर्घटना का शिकार हो समुद्र में जा गिरा। उड़ान भरने के थोड़ी ही देर बाद विमान का संपर्क हवाई यातायात नियंत्रक से टूट गया। घरेलू उड़ान भर रहे इस विमान में 62 लोग सवार थे, जिनमें से किसी के भी बचने की गुंजाइश नहीं है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि होनी अभी बाकी है। इंडोनेशिया के परिवहन मंत्री बुदि करया सुमादी ने कहा कि उड़ान 'एसजे182' ने एक घंटे देरी से स्थानीय समयानुसार अपराह्न 2:36 बजे उड़ान भरी थी, जिसका करीब चार मिनट बाद रडार से संपर्क टूट गया। इससे पहले पायलट ने 29,000 फुट की ऊंचाई पर जाने के लिए हवाई यातायात नियंत्रक से संपर्क किया था। वहीं, कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि उन्होंने एक धमाके की आवाज सुनी। बीबीसी के मुताबिक एक स्थानीय मछुआरे ने हादसा होते हुए देखा, जिसके बाद वे अपने कैप्टन के साथ द्वीप पर वापस लौट गए। मछुआरे ने बीबीसी को बताया, "विमान समुद्र में बिजली की तरह गिरा और पानी में जोरदार धमाका हुआ। हम पास में ही थे, विमान का कुछ मलबा हमारे जहाज से भी टकराया।" वहीं, स्थानीय मीडिया के मुताबिक, "थाउजैंड द्वीप समूह" में मछुआरों ने शनिवार दोपहर को कुछ लोहे के टुकड़े देखे हैं, जिनके बारे में माना जा रहा है कि ये विमान के हिस्से हो सकते हैं। एयरलाइन की ओर से जारी बयान के मुताबिक, विमान ने जकार्ता से पोंटियानक के लिए उड़ान भरी थी जो इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप स्थित पश्चिम कालीमंतन प्रांत की राजधानी है। इस उड़ान की अवधि करीब 90 मिनट थी। इस विमान पर 56 यात्रियों के अलावा चालक दल के छह सदस्य सवार थे। मंत्री ने कहा कि उत्तरी जकार्ता में द्वीपों की श्रृंखला "थाउजैंड द्वीप समूह" के लानचांग एवं लाकी द्वीप के मध्य विमान की खोज एवं बचाव अभियान के तहत चार युद्धपोत समेत करीब दर्जन भर पोत को तैनात किया गया है।

जकार्ता से पोंटियानक जाने वाले विमान की अधिकतर यात्रा जावा समुद्र के ऊपर से ही गुजरती है। अब तक लापता विमान के बारे में कोई सुराग नहीं मिल सका है। टीवी चैनलों की फुटेज में जकार्ता और पोंटियानक हवाईअड्डे पर विमान में सवार यात्रियों के परिजन एवं मित्र रोते-बिलखते और प्रार्थना करते देखे गए। दुनिया के सबसे बड़े द्वीपसमूह देश इंडोनेशिया में सड़क, समुद्र और वायु परिवहन सेवाओं में क्षमता से अधिक लोगों के सवारी करने और लचर सुरक्षा नियमों के चलते दुर्घटनाओं के मामले सामने आते हैं।

उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2018 में जकार्ता से उड़ान भरने के चंद मिनट बाद ही लायन एयर का बोइंग 737 मैक्स 8 विमान जावा समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार 189 लोगों की मौत हो गई थी। शनिवार को लापता हुआ विमान स्वचालित उड़ान संचालन प्रणाली से लैस नहीं है, जोकि लायन एयर के विमान की दुर्घटना में अहम वजह बना था। श्रीविजय एयर इंडोनेशिया की सस्ती उड़ान सेवाओं में शामिल है जोकि दर्जनों घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन करती है।

कहां से आया कोरोना वायरस? जांच के लिए WHO की टीम को चीन ने अपने यहां आने की दी मंजूरी

कोरोना वायरस की उत्पत्ति की जांच के लिए चीन तैयार हो गया है। चीन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम को अपने यहां आने और जांच को मंजूरी दे दी है। कुछ दिनों बाद चीन ने टीम को आने से मना कर दिया था। एक वरिष्ठ चीनी अधिकारी ने शनिवार को कहा कि इसके लिए संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष स्वास्थ्य एजेंसी के साथ आम सहमति बन गई है। हालांकि, चीन ने इस टीम की यात्रा के लिए कोई समयसीमा नहीं बताई है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के उप प्रमुख जेंग यिक्सिन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि डब्ल्यूएचओ की टीम के वुहान आने का समय तय नहीं किया गया है और इस पर अभी चर्चा जारी है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने जेंग के हवाले बताया कि चीन और विश्व स्वास्थ्य संगठन अधिकारियों के बीच चार बार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद जांच की व्यवस्था पर सहमति बनी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि जेंग यिक्सिन के हवाले से बताया कि डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ जब अपनी प्रक्रियाओं को पूरा कर अपना शेड्यूल तय कर लेंगे तो चीनी विशेषज्ञ वुहान में उनके साथ जांच करने के लिए जाएंगे।

चीन पूरी तरह मदद करेगा

जेंग ने जोर देकर कहा कि डब्ल्यूएचओ की जांच के प्रति चीन की स्थिति सकारात्मक है और वो इसके लिए पूरी तरह मदद करेगा है। उन्होंने कहा कि देश को उम्मीद है कि इस तरह के संयुक्त प्रयासों से वायरस को और ज्यादा समझे में मदद मिलेगी और भविष्य में संक्रामक रोगों को बेहतर ढंग से रोका जा सकेगा।

टेड्रोस एडनोम ने नाराजगी जताई थी इससे पहले चीन की तरफ से टीम को रोके जाने पर डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने टीम को अनुमति देने के लिए चीन को फोन किया था। टेड्रोस ने कहा कि मैं इस खबर से बहुत निराश हूं। उन्होंने आगे कहा कि मैं वरिष्ठ चीनी अधिकारियों के संपर्क में हूं और मैंने एक बार फिर साफ कर दिया है कि ये मिशन डब्ल्यूएचओ और अंतर्राष्ट्रीय टीम के लिए प्राथमिकता है।

टेड्रोस को गलतफहमी हो सकती है उधर टेड्रोस के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने कहा था कि इसे लेकर उन्हें कुछ गलतफहमी हो सकती है। हम डॉ टेड्रोस और डब्ल्यूएचओ को समझ सकते हैं, उन्होंने दोनों पक्षों को चर्चा कर तारीखों को अंतिम रूप देने के लिए कहा था।

इंडोनेशिया में लापता विमान के क्रैश होने की आशंका, 6 क्रू मेंबर सहित 62 लोग थे सवार

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता से उड़ान भरने के बाद शनिवार को श्रीविजय एयर के जेट यात्री विमान का संपर्क हवाई यातायात नियंत्रक से टूट गया। घरेलू उड़ान भर रहे इस विमान में 62 लोग सवार थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इंडोनेशिया के परिवहन मंत्रालय के प्रवक्ता अदिता इरावती ने कहा कि बोइंग 737-500 विमान ने दोपहर करीब 1:56 बजे जकार्ता से उड़ान भरी और अपराह्न करीब 2:40 बजे इसका संपर्क नियंत्रण टावर से टूट गया। एयरलाइन की ओर से जारी बयान के मुताबिक, विमान ने जकार्ता से पोंटियनाक के लिए उड़ान भरी थी जो इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप स्थत पश्चिम कालीमंतन प्रांत की राजधानी है। इस उड़ान की अवधि करीब 90 मिनट थी। इस विमान पर 56 यात्रियों के अलावा चालक दल के छह सदस्य सवार थे। इरावती ने एक बयान में कहा, ‘राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा समिति के साथ समन्वय स्थापित कर लापता विमान की तलाश की जा रही है।" जकार्ता से पोंटियनाक जाने वाले विमान की अधिकतर यात्रा जावा समुद्र के ऊपर से ही गुजरती है। अब तक लापता विमान के बारे में कोई सुराग नहीं मिल सका है। दुनियाभर में रियलटाइम एयर ट्रैफिक पर निगाह रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडार24.कॉम के मुताबिक, "श्रीविजय एयर फ्लाइट SJ182 एक मिनट से भी कम समय में 10,000 फीट तक नीचे आ गया। जकार्ता से उड़ान भरने के करीब चार मिनट के बाद यह हुआ।" वहीं, स्थानीय मीडिया के मुताबिक, उत्तरी जकार्ता में द्वीपों की श्रृंखला "थाउजैंड द्वीप समूह" में मछुआरों ने शनिवार दोपहर को कुछ लोहे के टुकड़े देखे हैं, जिनके बारे में माना जा रहा है कि ये विमान के हिस्से हो सकते हैं। टीवी चैनलों की फुटेज में जकार्ता और पोंटियनाक हवाईअड्डे पर विमान में सवार यात्रियों के परिजन एवं मित्र रोते-बिलखते और प्रार्थना करते देखे गए। दुनिया के सबसे बड़े द्वीप समूह देश इंडोनेशिया में सड़क, समुद्र और वायु परिवहन सेवाओं में क्षमता से अधिक लोगों के सवारी करने और लचर सुरक्षा नियमों के चलते दुर्घटनाओं के मामले सामने आते हैं। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2018 में जकार्ता से उड़ान भरने के चंद मिनट बाद ही लायन एयर का बोइंग 737 मैक्स8 विमान जावा समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार 189 लोगों की मौत हो गई थी। श्रीविजय एयर इंडोनेशिया की सस्ती उड़ान सेवाओं में शामिल है जोकि दर्जनों घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन करती है।

करीना कपूर का ख्याल रखने के लिए सैफ अली खान ने ली है पैटरनिटी लीव, बच्चे के आने के बाद करेंगे 'आदिपुरुष' की शूटिंग

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान इन दिनों पैटरनिटी लीव पर हैं। वह काम से छुट्टी लेकर घर पर प्रेग्नेंट करीना कपूर का ख्याल रख रहे हैं।

सैफ अपने दूसरे बच्चे के आने के बाद फिल्म आदिपुरुष की शूटिंग शुरू करेंगे। डायरेक्टर ओम राउत ने बताया कि इस महीने वह फिल्म आदिपुरुष की शूटिंग करेंगे, लेकिन सैफ अली खान मार्च में शूटिंग जॉइन करेंगे।

फिल्म में सैफ अली खान निगेटिव रोल में नजर आएंगे। वह फिल्म में लंकेश की भूमिका में दिखेंगे। वहीं, फिल्म में प्रभास भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे। बॉम्बे टाइम्स से बातचीत में ओम राउत ने कहा, "सैफ सर और प्रभास पिछले तीन-चार महीनों से फिल्म के लिए तैयारी कर रहे हैं। मेरी टीम फिल्म शूट करने को लेकर बहुत एक्साइटेड है।

इस समय सैफ पैटरनिटी लीव पर हैं और वह मार्च में फिल्म की शूटिंग शुरू कर करेंगे।

एक यह गहरी और बड़ी स्टोरी है। हमने अगस्त तक फिल्म की शूटिंग करने का प्लान बनाया है। अमिताभ बच्चन ने 'कुली' के सेट पर हुए हादसे को किया याद, बोले- मैंने पहली बार पिता की आंखों में देखे थे आंसू कुछ समय पहले सैफ ने फिल्म आदिपुरुष में अपने किरदार लंकेश को लेकर एक विवादित बयान दिया था।

उन्होंने कहा था कि चूंकि लक्ष्मण द्वारा रावण की बहन शूर्पणखा की नाक काटी गई थी इसलिए रावण द्वारा सीता का अपहरण किया जाना न्यायसंगत है और वह इसी चीज को फिल्म में दिखाने की कोशिश करेंगे। सैफ अली खान के इस बयान को लेकर खूब विवाद हुआ था जिसके बाद उन्होंने माफी भी मांगी थी।

मनोज बाजपेयी की 'द फैमिली मैन 2' की रिलीज डेट का हुआ ऐलान, इस दिन स्ट्रीम होगी वेब सीरीज

बॉलीवुड एक्टर मनोज बाजपेयी की पॉप्युलर वेब सीरीज द फैमिली मैन 2 की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। यह सीरीज अमेजॉन प्राइम वीडियो पर 12 फरवरी को स्ट्रीम होगी। शो के मेकर्स राज और डीके ने सीरीज का टीजर भी शेयर किया है, जिसे बहुत पसंद किया जा रहा है। राज और डीके ने ट्विटर अकाउंट पर सीरीज का टीजर पोस्ट किया है। कैप्शन में लिखा है, "इस बार कोई भी सुरक्षित नहीं है। कौन है राजी, चेहरे के पीछे चेहरा, राज है इसमें गहरा।" टीजर में मनोज बाजपेयी काफी शॉक्ड नजर आ रहे हैं। बात दें कि काफी समय से फैन्स इस सीरीज के दूसरे सीजन को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। इससे पहले कई बार वे सीरीज के टीजर और ट्रेलर रिलीज करने की मांग कर चुके हैं।

इस वेब शो में दर्शन कुमार, सनी हिंदुजा, श्रेया धनवंतरी, शहाब अली, वेदांत सिन्हा, महेक ठाकुर और सीमा बिस्वास भी हैं। वहीं, साउथ की एक्ट्रेस सामंथा अक्किनेनी दूसरे सीजन की हिस्सा बनी हैं। शो के पहले सीजन में मनोज बाजपेयी के अलावा प्रियामणि और गुल पनाग सहित अन्य सितारों ने काम किया था। सीरीज में मनोज बाजपेयी एक मिडिल क्लास आदमी के रोल में नजर आए थे, जो रियल में एक सक्सेसफुल स्पाय है और वह देश को आतंकी हमले से बचाने की कोशिश करता है। इसके अलावा सीरीज में दिखाया गया कि मनोज बाजपेयी किस तरह अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को बैलेंस करने करते हैं।

जानें, 'बीहड़ का बागी' में डकैत शिवकुमार बनने वाले दिलीप आर्य की कहानी

एक्टर दिलीप आर्य की वेब सीरीज बीहड़ का बागी को खूब पसंद किया गया। सीरीज में डकैत शिवकुमार उर्फ ददुआ के रोल में उनकी एक्टिंग को जमकर प्रशंसा मिली। आज दिलीप आर्य किसी पहचान के मोहताज नहीं है। उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव अमौली के निवासी दिलीप के लिए यह सफर काफी कठिन रहा। पिता की मौत के बाद उन्होंने महज 11 साल में छोटे-मोटे काम करना शुरू कर दिया था।

एक इंटरव्यू के दौरान दिलीप ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा, ''जब मेरे पिता का निधन हुआ था तब मैं 11 साल का था लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मां के खेत में काम करने के दौरान मैंने भी काम करना शुरू कर दिया। इसके बाद बेहतर जीवन यापन करने के लिए मैं ट्रेलरिंग शॉप में काम करने लगा और साथ में अपनी पढ़ाई भी जारी रखी।" कानपुर यूनिवर्सिटी से पोस्टग्रेजुएट और फिर भारतेंदु नाट्य एकेडमी से निकलने के बाद दिलीप को सिनेमा से प्यार हो गया। वह नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में एडमिशन लेने के लिए दिल्ली पहुंच गए।

उन्होंने कहा, "मैंने वहां पर लोकल ग्रुप के साथ थियेटर करना शुरू कर दिया और एनके शर्मा के ग्रुप के साथ भी कुछ समय के लिए काम किया। इसके बाद मैंने एनएसडी के लिए अप्लाई किया। वहां पर मैंने वर्कशॉप में जाने माने सितारे पंकज त्रिपाठी, इनामुल हक के साथ काम किया। लेकिन बीएनबी वह जगह थी जिसने मुझे उड़ान भरने के लिए पंख दिए। मैंने वहां पर अनुभवी शिक्षकों से एक्टिंग की बारीकियां सीखी, जिसकी बदौलत मैं आज यहां पर पहुंचा हूं।" फिल्मों में काम करने के सपने को पूरा करने के लिए दिलीप मुबंई आ गए। उन्हें वेब सीरीज में काम करने का मौका मिला, जिसमें उनकी एक्टिंग को बहुत सराहा गया। इस समय दिलीप के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं। उन्होंने कहा, ''मैं शुक्रगुजार हूं जो मेरे काम को लोगों से इतना प्यार मिला। आपकी मेहनत को सराहा जाना अच्छा है और मुझे उम्मीद है कि फिल्म निर्माताओं ने मेरे काम को ध्यान दिया होगा और अब वे मुझे एक एक्टर के रूप में खुद को और एक्सप्लोर करने का मौका देंगे।"

द कपिल शर्मा शो- कोरोना पॉजिटिव होने पर अभिषेक बच्चन को अजय देवगन से पड़ी थी डांट

अभिनेता अभिषेक बच्चन ने बताया है कि कैसे बीते साल जब वह कोरोना पॉजिटिव हो गए थे तो अजय देवगन से डांट पड़ी थी। अभिषेक बच्चन ने द कपिल शर्मा शो के एपिसोड में यह जानकारी दी है। यह एपिसोड शनिवार और रविवार को प्रसारित होने वाला है। प्रोमो की शुरुआत में कपिल शर्मा अभिषेक बच्चन और अजय देवगन की एंट्री पर पूछते हैं कि आप दोनों तो काफी फिट लग रहे हैं। लॉकडाउन के दौरान जिम ज्यादा किया या फिर में काम ज्यादा पड़ गया। इस पर अभिषेक बच्चन ने कहा कि हम तो कोरोना कर रहे थे। अभिषेक बच्चन के कोरोना का जिक्र करने पर कपिल शर्मा ने पूछा का तब तो अजय देवगन की ओर से आपको फोन भी आया था। इस पर अभिषेक ने बताया, 'जब मुझे कोरोना हुआ तो अजय देवगन का फोन आया और उन्होंने कहा कि यह कैसे हुआ। क्या हो गया और क्या चल रहा है। फिर मुझे लगा कि 5 से 6 दिन पहले ही तो वह मुझसे मिलने आए थे।'

इस पर सभी लोग हंसने लगे। कपिल शर्मा ने कहा कि मिताभ बच्चन को जब कोरोना हुआ तो पूरे देश के आत्मविश्वास कमजोर हो गया था क्योंकि हमारे आइकॉन हैं। बता दें कि बीते साल अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय और उनकी बेटी आराध्या कोरोना संक्रमित हो गए थे।

अभिषेक बच्चन और अजय देवगन अपनी आगामी फिल्म The Big Bull के प्रमोशन के सिलसिले में कपिल शर्मा शो पर पहुंचे। इस मूवी में अभिषेक बच्चन हर्षद मेहता का रोल प्ले करने वाले हैं। हाल ही में आई वेब सीरीज 'स्कैम 1992: द हर्षद मेहता स्टोरी' भी मेहता के ही किरदार पर आधारित है। The Big Bull मूवी डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली है।

इस फिल्म में सोहुम शाह, निकिता दत्ता और इलियिना डिक्रूज भी शामिल हैं। बता दें कि कोरोना से उबरने के बाद अमिताभ बच्चन और उनका परिवार एक बार फिर से काम में सक्रिय हो गया है। अमिताभ बच्चन लगातार कौन बनेगा करोड़पति की शूटिंग कर रहे हैं, जबकि अभिषेक बच्चन ने भी काम शुरू कर दिया है।

जानें, कौन हैं कागज मूवी में भरत लाल मृतक की पत्नी रुक्मिणी

साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस मोनल गज्जर ने फिल्म कागज से बॉलीवुड डेब्यू किया है। फिल्म में उन्होंने पंकज त्रिपाठी के किरदार भरत लाल की पत्नी रुक्मिणी का रोल प्ले किया है, जिसे बहुत पसंद किया गया। मोनल काफी समय से साउथ फिल्मों में एक्टिव हैं। वह बैंक में नौकरी किया करती थी, लेकिन किसमत ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था। मोनल गुज्जर का जन्म गुजरात के अहमदाबाद में हुआ है। उन्होंने कॉमर्स में ग्रेजुएशन किया है। मोनल ने शुरुआत में आईएनजी व्यासा बैंक में कुछ समय के लिए नौकरी भी की है। योगा टीजर की सलाह पर मोनल ने मिर्ची क्वीन ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लिया और जीत हासिल की। इसके बाद वह मिस गुजरात का खिताब भी अपने नाम किया।

इसके बाद मोनल को साउथ फिल्मों के ऑफर मिलने शुरू हो गए। उन्होंने साल 2012 में फिल्म Sudigadu से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इस फिल्म के लिए वह SIMMA अवॉर्ड के बेस्ट फीमल डेब्यूडेंट के लिए नॉमिनेट भी हुई थीं। इसके बाद मोनल मलयालम फिल्म ड्रैकुला में नजर आईं। मोनल आशा भोंसले की फिल्म माई में स्पेशल अपीयरेंस भी दे चुकी हैं। फिल्म Sigaram Thodu में उनके काम की खूब तारीफ हुई। सितंबर में उन्होंने बिग बॉस के तेलुगू वर्जन में एंट्री मारी और खूब पॉप्युलैरिटी हासिल की। हालांकि, वह पिछले साल दिसंबर में शो से बाहर हो गईं।

बता दें कि पंकज त्रिपाठी और मोनल गज्जर की फिल्म कागज जी 5 पर रिलीज हो चुकी है।

सिल्वेस्टर पीटर और अनूप खन्ना ने इस सवाल का जवाब देकर जीते 25 लाख रुपये, यह था प्रश्न

कौन बनेगा करोड़पति के शुक्रवार के कर्मवीर एपिसोड में दादी की रसोई के संस्थापक अनूप खन्ना और फुटबॉल कोच सिल्वेस्टर पीटर हॉट सीट पर विराजमान हुए। दोनों कंटेस्टेंट का साथ देने के लिए एक्ट्रेस रवीना टंडन शो में मौजूद रहीं। गेम का आधा हिस्सा अनूप खन्ना और बाकी का हिस्सा सिल्वेस्टर पीटर ने खेला। शो में दोनों कंटेस्टेंट ने मिलकर 25 लाख रुपये जीत लिए।

यह था सवाल

सबसे पहला आधिकारिक क्रिकेट मैच 1877 में कहां खेला गया था?

A. लॉर्ड्स, लंदन
B. मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड
C. द ओवल, लंदन
D. सिडनी क्रिकेट ग्राउंड

सही जवाब- मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड सिल्वेस्टर पीटर माय एंजेल्स नाम की एक एकेडमी चलाते हैं जिसके द्वारा वह स्लम के बच्चों को फुटबॉल सिखाने और उन्हें सही दिशा में लाने के लिए काम करते हैं। वहीं, नोएडा के सेक्टर 29 में अनूप खन्ना दादी की रसोई का संचालन करते हैं। शुरुआती दिनों में वह गरीबों को सिर्फ 5 रुपये में खाने की थाली मुहैया कराते थे।

अमिताभ बच्चन ने 'कुली' के सेट पर हुए हादसे को किया याद, बोले- मैंने पहली बार पिता की आंखों में देखे थे आंसू

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह फैन्स के साथ अक्सर फोटोज और वीडियो शेयर करते रहते हैं। अब बिग बी की एक फैन ने ट्विटर पर उनकी एक थ्रोबैक फोटो शेयर कर बताया कि ट्विटर पर उनके 45 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं। इस फोटो को देखकर अमिताभ भावुक हो गए और उन्होंने फिल्म कुली के दौरान खुद के साथ हुई घटना की याद आ गई। अमिताभ ने बताया कि जब 'कुली' के सेट पर घायल हो गए थे और जब वह ठीक होकर अस्पताल से घर लौटे थे तो उस समय उनके पिता हरिवंश राय बच्चन का कैसा रिएक्शन था।

अमिताभ ने ट्विटर पर फोटो शेयर करते कैप्शन में लिखा, ''कैप्शन बताता है कि ट्विटर पर 45 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं, थैंक्यू जैस्मिन, लेकिन यह तस्वीर बहुत कुछ कहती है। यह वह पल है जब मैं कुली के सेट पर घटना के बाद मौत से जूझकर घर वापस लौटा था। यह पहली बार था जब मैंने पिता की आंखों में आंसू देखे थे। अभिषेक भी चिंता में था।'' फोटो में अमिताभ पिता हरिवंश राय बच्चन के पैरों को छूते हुए नजर आ रहे हैं, जो उन्हें देखकर रो रहे हैं।

वहीं, बेटे अभिषके दादा हरिवंश के बगल में खड़े हैं और उनके चेहरे पर चिंता साफ नजर आ रही है। साल 1982 में 26 जुलाई को बैंगलुरू यूनिवर्सिटी कैम्पस में पुनीत इस्सर और अमिताभ बच्चन के बीच फिल्म कुली के लिए फाइट सीन की शूटिंग चल रही थी। इस दौरान अमिताभ गलती से टेबल से टकरा गए थे, जिसमें वह बुरी तरह से घायल हो गए।

कोरोना वैक्सीन लगवाने वाली पहली बॉलीवुड सेलिब्रिटी बनीं शिल्पा शिरोडकर, एक्ट्रेस ने शेयर किया अपना अनुभव

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शिरोडकर कोरोना वैक्सीन लगवाने वाली भारत की पहली सेलिब्रिटी बन गई हैं। उन्होंने दुबई में यह वैक्सीन लगवाई है। शिल्पा शिरोडकर ने यह जानकारी खुद सोशल मीडिया के जरिए फैन्स को दी है। कोरोना काल में उनके इस कदम की जमकर सराहना हो रही है। शिल्पा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक फोटो शेयर की है, जिसमें उन्होंने मास्क पहन रखा है।

उनके बांह में छोटी सी पट्टी लगी हुई है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "वैक्सीन लग गई और मैं सुरक्षित हूं। यह न्यू नॉर्मल है। थैंक्यू यूएई।" शिल्पा की शिरोडकर की यह तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर

वायरल हो रही है। फैन्स कमेंट बॉक्स में उनके इस कदम की तारीफ कर रहे हैं।

शिल्पा शिरोडकर साउथ फिल्मों के सुपरस्टार महेश बाबू की पत्नी नम्रता शिरोडकर की पत्नी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म भ्रष्टाचार से की थी। फिल्म में वह मिथुन चक्रबर्ती और रेखा के साथ लीड रोल में थी। यह फिल्म साल 1989 में रिलीज हुई जिसमें उनके काम को बहुत पसंद किया गया।

जानें, मां के बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल को लेकर क्या बोलीं सुष्मिता सेन की बेटी रिनी सेन

एक्ट्रेस रिनी सेन ने अपनी मां सुष्मिता सेन के बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल के बारे में बात की है। रिनी सेन ने मां के बॉयफ्रेंड को लेकर कहा कि यदि वह उनकी तारीफ करते हैं तो यह मेरे लिए अहम है। रिनी सेन सुष्मिता की बड़ी बेटी हैं, जिन्हें उन्होंने 2000 में गोद लिया था। सुष्मिता सेन ने बीते कुछ सालों से मॉडल रोहमन को डेट करना शुरू किया है। फिलहाल वह सुष्मिता सेन की फैमिली का अहम हिस्सा हैं। रोहमन के बारे में बात करते हुए रिनी सेन ने द क्विंट को दिए इंटरव्यू में कहा, 'हम सभी 4 लोग परिवार का हिस्सा हैं। हमारी फिलहाल हमारी जिंदगी का हिस्सा हैं और हम उन्हें बहुत प्यार करते हैं। हम उनके बारे में और उनके परिवार और कल्चर के बारे में काफी कुछ सीख रहे हैं।' रिनी सेन ने कहा कि रोहमन शॉ ज्यादा नहीं बोलते हैं, लेकिन यदि उन्होंने मेरे बारे में कुछ कहा है तो वह मेरे लिए अहम है। उन्होंने कहा कि वह कम बोलने वाले व्यक्ति हैं, लेकिन उन्होंने यदि कहा कि मैं अच्छा कर रही हूं तो यह मायने रखता है। रोहमन को रोहमन अंकल बोलते हुए रिनी ने कहा कि उन्होंने मेरी शॉर्ट फिल्म सुट्टाबाजी का ट्रेलर देखा है और उन्हें मुझ पर प्राउड है। हिंदुस्तान टाइम्स ब्रंच से बात करते हुए रिनी ने अपने डेब्यू को लेकर सुष्मिता सेन के रिएक्शन के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि मेरी फिल्म देखने के बाद उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। वह बेहद भावुक थीं।

रिनी ने कहा, 'मुझे लगा कि वह थोड़ा रो रही थीं। वह चीजों को ऑब्जर्व करती हैं। ऐसे में यदि वह कहती हैं कि तुमने अच्छा काम किया है तो यह सच ही है कि हमने कुछ अच्छा काम किया होगा। उन्होंने कहा कि तुम जानती हो कि तुमने वास्तव में ही काफी अच्छा काम किया है। रोहमन अंकल ने भी कहा कि मुझे तुम पर गर्व है।' सुट्टाबाजी में रोल मिलने को लेकर रिनी सेन ने कहा, 'यह सब कुछ अचानक ही हुआ था।

इसके डायरेक्टर कबीर खुराना स्कूल टाइम से ही मेरे दोस्त थे। मैंने उनसे यूं ही कहा था कि मेरी एक्टिंग में रुचि है। इसके बाद सितंबर में उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट भेजी और कहा कि तुम्हें इसके लिए ऑडिशन देना होगा।

जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र के सम्मान समारोह

मुबंई महाराष्ट्र के पत्रकारों को मिला सम्मान.....मुबंई के इतिहास मे दर्ज हो गया कार्यक्रम.....

मुंबई।जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र के तत्वधान में आयोजित हुई मुंबई महाराष्ट्र के वरिष्ठ पत्रकारों की बैठक में सभी उपस्थित पत्रकारों ने एक ही सुर में पत्रकारों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं को जोर-शोर से उठाते हुए निष्पक्ष तथा निडरता के साथ कलम चलाने का आह्वान किया। इस दौरान कई वरिष्ठ पत्रकारों को उनके सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक व रंगारंग।कार्यक्रम का भी खूब जलवा रहा।बुधवार की दोपहर विरार वेस्ट डोंगर पाड़ा स्थित प्रसिद्ध देशमुख सभाग्रह में आयोजित हुई मुंबई महाराष्ट्र के वरिष्ठ पत्रकारों की मीटिंग में पालघर लोकसभा के मिलनसार सांसद (खासदार) राजेंद्र गावित व एमजेएफ लायन क्लंब के सदस्य व वरिष्ठ समाजसेवी प्रशांत पाटिल ने सयुंक्त रुप से बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में पत्रकारों की लेखनी की सराहना करते हुए अपनी ओर से पूर्ण सहयोग देने की बात कही। इससे पूर्व मराठी पत्रकारिता के जनक दर्पण कार बालशास्त्री आचार्य गंगाधर जांभेकर के चित्र पर दीप प्रज्वलित करते हुए पुष्प अर्पित करते हुए उत्तर प्रदेश के नगीना से कार्यक्रम में पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार एवं युवा सिंगर नौशाद रॉय अंसारी के गीतों से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार नारायण पांचाल, महासचिव प्रविण दवणे, उपाध्यक्ष हेमंत सामंत ने संयुक्त रूप से अपने संबोधन में पत्रकारों की समस्याओं को जोर-शोर से उठाते हुए उनके हितों की रक्षा करने की बात कही।

पत्रकारों के द्वारा चलाए जा रहे निष्पक्ष कलम की सराहना करते हुए कहा कि पत्रकारों को चाहिए कि वह निडरता के साथ निष्पक्ष रूप से अपनी कलम चलाएं।उन्हें किसी से भी डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी पत्रकार का कहीं शोषण हो रहा है तो वह उन्हें अवगत कराएं। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि पत्रकारों का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के नगीना से पत्रकार सम्मान समारोह में शामिल होने मुंबई पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार एवं युवा सिंगर नौशाद राँय अंसारी ने अपने जोशीले विचारों में पत्रकारिता के इतिहास की ओर जाते हुए कहा कि पत्रकारिता का कार्य भलें ही कठिनाइयों भरा हो लेकिन हम सब पत्रकारों को यह गर्व भी होना चाहिए कि आज भी सर्वोच्च न्यायालय और समाज के बीच पत्रकारों की लेखनी को सच्चाई के रूप में देखा जाता है।और हमें देश हित का चौथा स्तंभ माना गया है।जो हमारे लिए बडे गौरव की बात है। उन्होंने अपने शायराना अंदाज में उपस्थित पत्रकारों में जोश भरते हुए समा बांधे रंखा।जिस पर उपस्थित अतिथियों ने श्री नौशाद राँय के जोशीले विचारों की सराहना करते हुए उनकी पीठ थपथपाई।यूनियन के अध्यक्ष नारायण पांचाल की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ पत्रकार हेमंत सामंत व नौशाद राँय अंसारी के सयुंक्त संचालन मे

आयोजित हुए कार्यक्रम को यूनियन महासचिव प्रविण दवणे,सलीम शेख, दीपक कोटेकर,सागर देशमुख, विजय गायकवाड़,
सचिन दीक्षित, ऊमाकांत वाघ, राज शर्मा, मयूरेश वाघ,मुकेश वाघेला,आदि पत्रकारों ने संम्बोधन किया।इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार संजय वर्मा, किर्ती केसरकर,प्राँची किणी,रवि पंडित,इरशाद अंसारी, इस्लामुद्दीन
कुरैशी,नामदेव काशिद,शमा प्रवीन,राजेश जाधव, सैय्यद आफरीन,अफज़ाल अंसारी, रोहित असले,सतीश साटम,दत्ताराम मयेकर,प्रविण मौरे,पर्मिला सोनावले,आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

पत्रकारों के हितो की रंक्षा करने को कह गये सांसद राजेंद्र गावित....स्हयोग का भी दे गये भरोंसा.....

पालघर लोकसभा के सांसद (खासदार) राजेंद्र गावित ने पत्रकारों के मान सम्मान और उनके हितों की रक्षा करने की बात कहते हुए स्पष्ट कह दिया कि वह पत्रकारों का उत्पीड़न किसी कीमत पर भी बर्दाश्त नहीं करेगे। उन्होंने मंच के माध्यम से पत्रकारों के मान सम्मान के हितों की रक्षा करने का भी आश्वासन दिया।

कलम के योध्दाओ को वसई विरार यूनीट ने किया संमानित।निडरता के साथ कलम चलाने के लिए थपथपाई गयी पीठ

समाजहित में अपना योगदान देकर पीड़ितों को अपनी कलम के माध्यम से इंसाफ दिलाकर पत्रकार जगत का नाम रोशन करने वाले, ऐसे मुबंई महाराष्ट्र के वरिष्ठ पत्रकार ऊमाकांत वाघ,नौशाद राँय अंसारी, मयूरेश वाघ,विजय गायकवाड़, मुकेश वाघेला,सलीम शेख,दीपक कोटेकर, रवि पंडित,राजेश जाधव, विजय मौरे,नामदेव काशिद,इस्लामुद्दीन कुरैशी,प्राँची किणी,किर्ती केसरकर,सहित सात दर्जन से अधिक वरिष्ठ पत्रकारों को जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र की वसई विरार यूनीट की ओर से स्मृति चिन्ह देकर उन्हें संमानित किया गया।

पत्रकारिता के जनक दर्पण कार रहे बालशास्त्री जांभेकर की याद मे मनाया जाता है हर साल कार्यक्रम

मराठी पत्रकारिता के जनक दर्पण कार बालशास्त्री गंगाधर जांभेकर के जन्म दिवस के रूप में जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र पिछले कई सालों से 6 जनवरी को धूमधाम के साथ मनाती चली आ है। साथ ही यूनियन - कलम के योद्धाओं को भी सम्मानित करती है। इस सराहनीय कार्य के लिए जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र हमेशा चर्चाओ में रहती है।और पत्रकारों की रक्षा और उनकी हितों को ध्यान में रखकर यूनियन पूरे भारत में अपना वर्चस्व कायम किए हुए हैं।

पत्रकारों को निडरता के साथ कलम चलाने को कह गये अध्यक्ष पांचाल एकजुट रहने पर भी दे गये जोर

जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार नारायण पांचाल, महासचिव प्रविण दवणे, उपाध्यक्ष हेमंत सामंत ने सयुंक्त रुप से सभी पत्रकारों से निर्भरता के साथ कलम चलाने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट कह दिया कि पत्रकारों का उत्पीड़न किसी कीमत पर भी बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने सभी से एकजुट रहने की भी अपील की।

पत्रकारो के हिंतो की रंक्षा कर रही जर्नलिस्ट यूनियन आँफ महाराष्ट्र संस्था...भारत के सभी राज्यों के पत्रकारों को एक जुट करने का कार्ये भी शुरु

जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र के अध्यक्ष नारायण पांचाल, महासचिव प्रविण दवणे, उपाध्यक्ष हेमंत सामंत, ने कहा कि उनकी यूनियन देश के 17 स्टेट में पत्रकारों के हितों की रक्षा कर उन्हें सम्मान दिलाने का कार्य कर रही है।उन्होंने यह भी बताया की सरकार से मिलने वाली सुविधाओं को पत्रकारो तक पहुंचाने का कार्य भी बडी तेजी से किया जा रहा है। पत्रकारों का शोषण और उत्पीड़न यूनियन किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं करेगी।

पत्रकार समारोह मे अपनी सुरीली आवाज की मुबंई मे छाप छोड गये यूपी के वरिष्ठ पत्रकार एवं युवा सिंगर नौशाद...संमानित का भी मिला मौका

उत्तर प्रदेश के नगीना से कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार एवं युवा सिंगर नौशाद राँय अंसारी ने कार्यक्रम के दौरान अपनी सुरीली आवाज में उपस्थित पत्रकारों में अपनी गायकी व शायरी से ऐसी छाप छोडी जो कभी ना भूलाने वाली थी।जोशिले अ़दाज मे उपस्थित पत्रकारों ने मंच पर अपने संबोधन में नौशाद राँय अंसारी के गीतों और उनकी शायरी के साथ साथ समय-समय पर समाजहित में सराहनीय कार्यो ओर उनके लेखों की प्रशंसा की।जिसके लिए यूनियन की तरफ से नौशाद राँय अंसारी को शॉल उड़ाकर उन्हें स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित भी किया गया।

यूनियन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का भी हुआ संमान...शाँल पहनाकर जताया आभार....

जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र की वसई विरार यूनीट ने यूनियन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार नारायण पांचाल, महासचिव प्रविण दवणे, उपाध्यक्ष हेमंत सामंत,सासंद राजेंद्र गावित, प्रशांत पाटिल,जयराम सावंत,सागर देशमुख,भीमराव धोलप,आदि को स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित भी किया गया।

पत्रकारों से मिले संमान पर भावुक हुए सागर देशमुख पत्रकार को स्हयोग का भी दिया वचन

पत्रकार संमान समारोह के दौरान पत्रकारों से मिले संमान से गद गद स्वराज्य शक्ति संघ के संस्थापक/अध्यक्ष एवं गरिबो के मसिहा कहे जाने वाले सागर (हितेश) मनोहर देशमुख मंच पर आते ही खुशी जाहिर की।
ओर कार्यक्रम की भरसक प्रशांसा की।इस दौरान उन्होंने उन्हे मिले संमान को शब्दों मे व्यक्य करते हुए खुशी से भावुक हो गये ओर खुशी के आँसू छलक पढे।
उन्हें पत्रकारों के स्हयोग के लिए हमेशा साथ खडे रहने का आश्वासन दिया।

कैफे सागा होटल के संचालक को अभिषेक शेट्टी तंत्र का दुरूपयोग कर कर परेशान किया जा रहा है

अभिषेक शेट्टी अपने गलत तरीके से राज्यपाल और सीएम ऑफिस के अलावा एक्साइज ऑफीसर को मेल कर कर गलत तरीके से रेड गिरवा रहा है और अधिकारियों को रेड के दरमियान कुछ भी हासिल नहीं हो रहा है फिर भी वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है अगर अभिषेक शेट्टी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई तो आर पीआई की तरफ से उग्र आंदोलन करने की चिंमकी की गुजरात सेल के अध्यक्ष ने दी हैअभिषेक शेट्टी ने न्यू ग्रुप क्रेडिट सोसाइटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 770000 का लोन लेकर ना भरने पर उनके ऊपर लीगल नोटिस इश्यू हो चुका है फिर भी इनके ऊपर कोई एक्शन लिया नहीं जा रहा है क्या इनमे डिपार्टमेंट की मिलीभगत है या फिर कोई और वजह इनकी अब तक इंक्वायरी क्यो नहीं हुई और यह भाई साहब उत्तन में चल रहे कैफे सागा होटल मैं हर हफ्ते 10 दिन में डिपार्टमेंट में मेल के द्वारा रेड गिराने की साजिश कर रहा है और इनको सपोर्ट वहां के पुलिस द्वारा मिल रहा है ऐसा हमें लग रहा है क्योंकि यह

अभिषेक शेट्टी और गोसावी राज्यपाल और सीएम को लेटर लिखकर गलत इंफॉर्मेशन दे रहा है इंक्वायरी होने के बाद वहां पर कुछ ना मिलने पर पंचनामा भी हुआ हैपूरे उत्तन और गोराई में लीकर चालू है लीगल तरीके से अगर वह बंद नहीं हुआ तो आरपीआई इस मसले को उग्र आंदोलन तक लेकर जाएगी इसमें शामिल अधिकारियों या वहां के अफसरों पर कार्यवाही नहीं हुई तब तक आरपीआई चुप नहीं बैठेगी अभिषेक शेटी को जो भी ऑफिसर सपोर्ट कर रहा है उन पर भी एक्शन लिया जाना चाहिए यह आरपीआई की मांग है उत्तम में काफी लोगों को अभिषेक शेट्टी को पैसे देने हैं जिसमें महाराष्ट्र स्टोर डेरी वाले सब्जी वाले और कहीं मजदूर लोगों को पैसे नहीं दे रहा है ऐसे चिटरआदमी को डिपार्टमेंट सपोर्ट कर रहा है और ऐसे फ्रॉड आदमी की कंपलेंट लेकर कैफे सागा ओनर को परेशान किया जा रहा है आर पीआई रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया इस मामले की पूरी जांच की मांग की तैयारी में है

आर पीआई गुजरात प्रदेश प्रमुख श्रीमान अशोक भट्टी के फादर खुमाण भाई देवजी भाई समैया (भट्टी) स्वर्गवास 17 दिसंबर हुआ दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने आर पी आई चीफ केंद्रीय मंत्री श्रीमान रामदास आठवले मुंबई गुजराती सेल श्रीमान जतिन भाई भूता वडोदरा प्रेसिडेंट श्रीमान राजेश कुमार गोयल महिला प्रेसिडेंट श्रीमती तुष्णा व्यास और वाइस प्रेसिडेंट शैलेश शुक्ला अन्य महानुभाव उनके निवास स्थान पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की

महाराष्ट्र: उद्धव सरकार का बड़ा कदम; देवेंद्र फडणवीस व राज ठाकरे समेत कई लोगों की सुरक्षा घटाई

महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार ने रविवार को बड़ा फैसले लेते हुए विपक्ष के कई बड़े नेताओं की सुरक्षा को घटा दिया। शिवसेना एनसीपी और कांग्रेस की गठबंधन सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मनसे प्रमुख राज ठाकरे समेत कई नेताओं की सुरक्षा घटा दी।

मुंबई, महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार ने रविवार को बड़ा फैसले लेते हुए विपक्ष के कई बड़े नेताओं की सुरक्षा को घटा दी है। शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की गठबंधन सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस, मनसे प्रमुख राज ठाकरे समेत कई नेताओं की सुरक्षा घटा दी। वहीं राज्य के भाजपा प्रमुख चंद्रकांत पाटिल, सुधीर मुनगंटीवार सहित कुछ अन्य भाजपा नेताओं के सुरक्षा कवर हटा दिए गए हैं। भाजपा ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की, राज्य इकाई के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने कार्रवाई को दुर्भाग्यपूर्ण और उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ सत्तारूढ़ गठबंधन द्वारा की गई बदले की कार्रवाई बताया।
वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि इससे उनकी यात्रा और लोगों से मिलने की योजना प्रभावित नहीं होगी। आठ जनवरी को जारी एक सरकारी अधिसूचना के अनुसार, फडणवीस को अब 'जेड-प्लस' कवर के बजाय 'वाई-प्लस सिक्योरिटी विथ एस्कॉर्ट' मिलेगा। उनकी पत्नी अमृता फड़नवीस और बेटी दिविजा की सुरक्षा को 'वाई-प्लस विद एस्कॉर्ट' से घटाकर 'एक्स' श्रेणी कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाईक को अब वाई-प्लस 'की जगह वाई श्रेणी की सुरक्ष मिलेगी। एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे की सुरक्षा को 'जेड' से घटाकर 'वाई प्लस विद एस्कॉर्ट' कर दिया गया है। राज्य सरकार ने कहा कि यह निर्णय राज्य के विभिन्न व्यक्तियों को प्रदान किए गए सुरक्षा कवर की समीक्षा के बाद लिया गया। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले को वाई-प्लस विद एस्कॉर्ट 'के बजाय केवल 'वायरलेस' मिलेगा। वहीं केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के-वाई-प्लस कवर को वापस ले लिया गया है।
सरकार ने पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले, भाजपा विधायक प्रसाद लाड और राम कदम, और पूर्व स्पीकर और भाजपा विधायक हरिभाऊ बागडे से भी सुरक्षा कवर वापस ले लिया है। पार्टी छोड़ने वाले मुंबई कांग्रेस के पूर्व प्रमुख कृपाशंकर सिंह की 'एक्स' श्रेणी की सुरक्षा भी वापस ले ली गई है। वरिष्ठ वकील उज्जवल निकम के 'वाई-प्लस विथ एस्कॉर्ट' कवर को 'जेड' में अपग्रेड किया गया है।इसके अलावा फिल्म अभिनेता और कांग्रेस नेता शत्रुघ्न सिन्हा के 'वाई-प्लस' कवर को 'वाई-प्लस टू एस्कॉर्ट' में अपग्रेड किया गया है।

ठाणे में एक दुकान में आग लगने के बाद विस्फोट, सात लोग घायल

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक दुकान में गैस के सिलेंडर में आग लगने के बाद हुये धमाके में दो दमकलकर्मियों समेत सात लोग घायल हो गये. एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. ठाणे नगर निकाय के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख संतोष कदम ने बताया कि शनिवार रात 11 बजे वागले एस्टेट इलाके में ऑटो के कलपुर्जों की दुकान में आग लग गयी और इस आग ने पास के दो घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया. अधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद दो दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आरडीएमसी का एक दल भी वहां पहुंचा. उन्होंने बताया कि जब आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा था, उसी वक्त सिलेंडर में धमाका हो गया , इस घटना में सात लोग घायल हो गये. उन्होंने बताया कि घायलों में दो दमकलकर्मी भी शामिल हैं. उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है.

"समाज भूषण पुरस्कार" से हुए सन्मानित पत्रकार अरुण कुमार गुप्ता

मुंबई : कोरोना काल में पत्रकारिता के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर किये गए कार्यों को देखते हुए अभिजीत राणे युथ फाउंडेशन द्वारा वरिष्ठ पत्रकार अरुण कुमार गुप्ता को "स्वर्गीय वीर लक्ष्मण राव अन्नाजी राणे समाजभूषण पुरस्कार" से सन्मानित किया गया है। फाउंडेशन के अध्यक्ष विख्यात नेता अभिजीत राणे ने पत्रकार एवं समाजसेवी अरुण कुमार गुप्ता द्वारा सामाजिक स्तर पर किये गए कार्यो की प्रशंसा की। लगभग एक दशक से पत्रकारिता छेत्र में सक्रिय रहने के साथ - साथ सामाजिक स्तर पर भी कई कार्य इनके द्वारा किये जा रहे है। अपनी कलम की ताकत का सही इस्तेमाल कर अभी तक हजारों परिवारों को न्याय दिलाने में सफलता प्राप्त कर चुके है। समय नेटवर्क फाउंडेशन द्वारा महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्त अभियान साथ ही कोरोना काल में हजारों असहाय लोगों को अनाज बाटने से लेकर मेडिकल सुविधा दिलाने तक और लॉकडाउन में फसे लोगों को उचित स्थान पर पहुँचाने का कार्य भी किया गया। इस अवसर पर महागुरु अनिल थत्ते, आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, पूर्व भाजपा नगरसेवक विनोद शेलार, मुंबई मित्र और वृत मित्र समूह की संपादिका अनघा राणे और सीईओ अमोल राणे के साथ-साथ सैकड़ों की संख्या में मान्यवर उपस्थित थे।

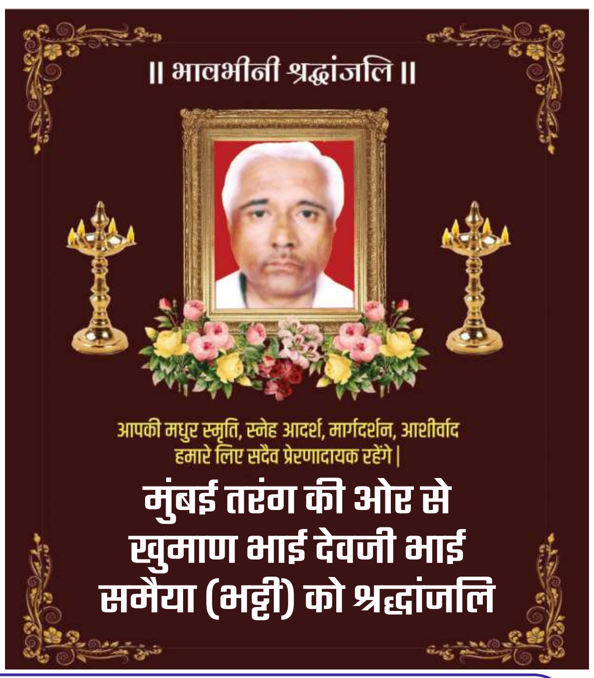

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।